एक नजर

महाराष्ट्र में दिव्यांग के लिए पदोन्नति में 4 फीसद आरक्षण मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र सरकार ने बंधवार को सेवारत दिव्यांग कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में चार प्रतिशत आरक्षण को मंजुरी दी। दिसंबर 2022 में, महाराष्ट्र दिव्यांग लोगों के कल्याण के लिए दिव्यांग विभाग स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य बना था। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि पदोन्नति में दिव्यांगों को आरक्षण देने का फैसला मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। यह फैसला केंद्र सरकार के निर्णय की तर्ज पर लिया गया है। प्रमंत्रिमंडल ने यह भी फैसला किया कि सामान्य और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को सामान्य श्रेणी के तहत उनके लिए आरक्षित पदों के वास्ते 'नॉन-क्रीमी लेयर' प्रमाणपत्र पेश करने की जरूरत नहीं है।

नरोदा मामले में आज फैसला आने की संभावना अहमदाबाद। गजरात की एक विशेष अदालत 2002 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान नरोदा गाम में मुस्लिम समुदाय के 11 सदस्यों की हत्या के मामले में बृहस्पतिवार को फैसला सुना सकती है। इस मामले के आरोपियों में भाजपा की पूर्व विधायक माया कोडनानी और बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी भी शामिल हैं। मामले में कुल 86 आरोपी थे. लेकिन उनमें से 18 लोगों की सुनवाई के दौरान मौत हो गई। विशेष अदालत के न्यायाधीश एसके बक्शी मामले में 20 अपैल को फैसला सन सकते हैं। गोधरा में ट्रेन आगजनी की घटना में अयोध्या से लौट रहे 58 यात्रियों की मौत के एक दिन बाद 28 फरवरी, 2002 को अहमदाबाद शहर के नरोदा गाम इलाके में दंगों के दौरान कम से कम 11 लोग मारे गए थे।

जेकेएनपीपी नेता ने थामा आजाद की पार्टी का दामन जम्मू । जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (जेकेएनपीपी) की नेता अनीता ठाकुर बुधवार को यहां गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) में शामिल हो गईं। आजाद और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जेकेएनपीपी की महासचिव ठाकुर (55) का पार्टी में स्वागत किया। आजाद ने कहा, ''हम ठाकर का डीपीएपी में स्वागत करते हैं। वह एक अनुभवी राजनेता हैं, जिन्होंने धर्मनिरपेक्ष और कद्दावर विपक्षी नेता प्रोफेसर भीम सिंह के नेतृत्व में दशकों तक एनपीपी में









www.mumbaitarang.com

शरद पवार से मिले उद्योगपति गौतम अडानी



केमेक्सिल के ४७वें निर्यात पुरस्कार समारोह का आयोजन, केंद्रीय वाणिज्य 🧃 और उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने बढ़ाई समारोह की गरिमा



बड़े पर्दे पर महेश बाबू संग जमेगी पूजा हेगड़े की जोडी



महाराष्ट्र बीजेपी प्रमुख ने पवार के बारे में कुछ भी बोलने से किया इनकार



बिल्डरों के विज्ञापनों पर महारेरा की पैनी नजर, 10 हजार से 2.5 लाख रुपये का लगाया जुमार्ना



मुंबई: शिकायत आने का इंतजार करने के बजाय महाराष्ट्र रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (महारेरा) ने खुद ही ऐक्शन लेना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में स्वतः संज्ञान लेते हुए रेरा ने 12 बिल्डरों को दोषी ठहराते हुए उनपर जुर्माना लगा दिया है। इन बिल्डरों पर रेरा रजिस्ट्रेशन क्रमांक के बगैर प्रॉजेक्ट के विज्ञापन जारी करने का आरोप है। नियम तोड़ने वाले बिल्डरों पर 10 हजार रुपये से लेकर 2.5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है। बगैर रजिस्ट्रेशन के विज्ञापन जारी करने वाले बिल्डरों में मुंबई का एक, नाशिक के 5, औरंगाबाद के 4 और पुणे के 2 बिल्डर शामिल हैं। अब तक बिल्डर द्वारा वादाखिलाफी करने के बाद ग्राहक न्याय प्राप्त करने के लिए रेरा के पास आते थे। वहीं रेरा अब खुद ऐक्शन मोड में आ गया है। रेरा ने अब प्रॉजेक्ट के रजिस्ट्रेशन व आरंभ में ही बिल्डरों की कड़ी जांच करने का निर्णय लिया है, ताकि गलत काम करने से पहले उस पर लगाम लगाई जा सके।

अजित पवार कई बार उपमुख्यमंत्री का रिकॉर्ड बना चुके हैं

राउत ने पवार को भावी सीएम बनने की शुभकामनायें दीं

मुंबई: महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार को लेकर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने फिर तंज कसा है। राउत ने कहा है कि मुख्यमंत्री बनने की इच्छा किसी नहीं होती। हर विधायक राज्य का सीएम बनना चाहता है। अजित पवार राज्य में कई बार उपमुख्यमंत्री बनने के रिकॉर्ड बना चुके हैं। अब उनकी इच्छा मुख्यमंत्री बनने की है। मेरी उनको शुभकामनाएं हैं। इसके पहले अजित पवार कई बार विधायक और मंत्री रह चुके हैं। उनको काफी अनुभव हैं इसलिए वह मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इस दौरान राउत ने एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा है। राउत के कहा कुछ लोग तो बिना काबिलियत के

जोड़-तोड़ की राजनीति के जरिये

मुख्यमंत्री बने हैं। रविवार को उद्धव

पाचोरा में रैली होनी है। जिसकी तैयारियों का जायजा लेने के लिए संजय राउत जलगांव जिले में पहंचे हुए हैं। इसी दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि असली शिवसेना उद्धव ठाकरे की है और उनके साथ हैं। जैसे कुछ जाली दस्तावेजों के जरिये किसी और की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करते हैं। वैसे ही कुछ लोगों ने धोखे से, चुनाव आयोग को नकली सबूत दिखाकर शिवसेना पर कब्ज़ा करने की कोशिश की है। अलगे साल शिवसेना वापस देंगे

ठाकरे की जलगांव जिले के



संजय राउत ने कहा कि जलगांव जिले की शिवसेना, शिवसैनिक, कार्यकर्ता और पदाधिकारी सब उद्धव ठाकरे के साथ हैं। विधायक और सांसद का मतलब शिवसेना नहीं

होता है। अगर इसी को पैमाना मानकर चुनाव आयोग ने शिवसेना और नाम और चुनाव चिन्ह उन्हें (शिंदे गुट) दिया है। क्या अगले साल 2024 में जब उनकी हार होगी तब

समीक्षा नहीं करेंगे, सुप्रीम कोर्ट बड़ा का फैसला

वापस शिवसेना हमको दी जाएगी? संजय राउत ने एक बार फिर से कहा कि मैं महाविकास अघाडी का चौकीदार हूं और उसकी वकालत करता रहुंगा। राउत ने कहा कि अजित पवार का एक हालिया बयान मैंने सुना है।

जिसमें वह कह रहे हैं कि मैं एनसीपी में हुं और रहुंगा। इसलिए वह एनसीपी से अलग होंगे या फिर बीजेपी में जायेंगे या सवाल ही नहीं उठता है। जब संजय राउत से मीडिया ने अजित पवार द्वारा पीएम मोदी की तारीफ करने का सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी तारीफ वाला काम करेंगे तो हम भी उनकी तारीफ करेंगे। लेकिन अभी पुंछ में 5 जवानों की हत्या हो गयी है। ऐसे हम क्या उनकी तारीफ करेंगे?

आम पकाने के लिए हो रहा इथेफॉन का इस्तेमाल

विक्रेता कर रहे स्वास्थ से कर रहे खिलवाड़

मुंबई: फलों का राजा आम ने मुंबई के बाजारों में दस्तक दे दी है, लेकिन चंद रुपये के लालच में आम विक्रेता लोगों की जान से खिलवाड़ करने पर आमादा हैं। आम का मौसम शुरू होते ही थोक मंडियों में हापुस और आम की अन्य किस्मों की आवक बढ़ गई है। डिमांग बढ़ने से कुछ व्यापारी कच्चे आमों को अब केमिकल से पकाकर बेच रहे हैं। खाद्य

और औषधि विभाग की कार्य-प्रणाली को लेकर लोगों ने सवाल उठाया है। बता दें कि एशिया की सबसे बड़ी मंडी मुंबई कृषि उत्पन्न बाजार समिति (एपीएमसी) में रोजाना लाखों पेटी आम बिकने के लिए आ रही हैं। लेकिन आम के नाम पर यहां मीठा जहर की बिक्री हो रही है। इस मंडी में आम पकाने के लिए विक्रेता कैल्शियम कार्बाइड और इथेफॉन नामक केमिकल का छिड़काव कर रहे हैं। केमिकल में पकाए



गए आम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके खाने से गैस, पेट दर्द, डायरिया होने की संभावना बढ़ गई है। एक विडियो वायरल आम का सीजन शुरू होते ही खाद्य और औषधि विभाग (एफडीए) ने फल विक्रेताओं को केमिकल का इस्तेमाल निर्धारित मानकों से अधिक न करने की चेतावनी दी थी। नियम का उल्लंघन करनेवाले विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। एफडीए ने व्यापारियों पर निगरानी के लिए 3 टीम भी गठित की थी। इसके बावजूद मंडी

के कुछ विक्रेता धड़ल्ले से केमिकल का उपयोग करते दिखाई दिए हैं। हाल ही में एक विडियो सामने आया है। इस विडियो में आम विक्रेता आमों पर इथेफॉन का छिड़काव करते दिखाई दे रहे हैं। इस घटना को रिकॉर्डिंग का पता चलते ही व्यापारियों ने स्प्रे को छिपा लिया।

निश्चित दुरी पर रखना होता है केमिकल स्थानीय नागरिक ख्वाजा मियां पटेल ने बताया कि आमों को पकाने के लिए इथेफॉन पाउडर का प्रयोग किया जाता है, लेकिन इस पाउडर को आम के संपर्क में आए बिना एक निश्चित दूरी में रखकर पकाना अनिवार्य है। हालांकि व्यापारी सीधे आम पर इसका छिड़काव कर रहे हैं। यह केमिकल इतना खतरनाक है कि इसकी बोतल को भी 1 फट के गड्टे में दबाने की सलाह बोतल पर साफ-साफ लिखी

पवार का चौतरफा हमला

मुंबई। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा कि पिछले कछ सालो से देश में घट रही घटनाएं भविष्य के लिए ठीक नहीं है. घटनाओं पर पर्दा डालने का काम किया जा रहा है. देश की जनता के सामने सच्चाई सामने नहीं आ रही है. शुक्रवार को घाटकोपर में मुंबई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कार्याध्यक्ष राखी जाधव की तरफ से कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया था. जिसमे पवार कार्यकर्ताओं को संबोधित

कर रहे थे. केंद्र और राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए शरद पवार ने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के पुलवामा वाले मुद्दे को दोहराते हुए कहा कि पुलवामा हमले की सच्चाई मलिक ने देश के सामने रखा.लेकिन उनके सवाल पर केंद्र सरकार कोई जवाब नहीं दे रही है. आतंकवादियों ने सैनिकों पर हमला किया। सेना की सरक्षा के लिए विमान मांगा गया था लेकिन यह उपलब्ध नहीं कराया गया। जिसके कारण देश के 40 जवान शहीद हो गए. इससे बढ़कर और क्या खतरा चाहिए कि इस घटना का असली स्वरूप लोगों के सामने न आ जाए? इसलिए पूर्व राज्यपाल को चुप रहने के लिए बोला गया.पवार ने खारघर में महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम जनता की हुई मृत्यु के अलावा कई मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार को घेरा और घटना का जिम्मेदार राज्य सरकार को बताया। उन्होंने कहा कि खास बात यह है कि महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है।

केंद्र और राज्य सरकार पर शरद मराठा कोटा खत्म करने में कोई गलती नहीं, इसकी





सेवानिवृत्त हो चुके हैं। यह उल्लेख

करते हए कि मराठा आरक्षण समानता

के अधिकार के सिद्धांत का उल्लंघन

करता है, शीर्ष अदालत ने 29 साल

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स



बड़ी पीठ को भेजने से भी इनकार कर दिया था। मंडल फैसले के तहत आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत है। क्यरेटिव याचिका दायर करेगी महाराष्ट्र सरकार महाराष्ट्र सरकार मराठा आरक्षण मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में एक क्युरेटिव याचिका दायर करेगी और समदाय के पिछडेपन को स्थापित करने के लिए नए सिरे से सर्वेक्षण करने के वास्ते एक नया आयोग गठित करेगी। मख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। मख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान में यह जानकारी दी गई। बैठक में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हए। यह बैठक सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की पुनर्विचार याचिका खारिज होने के बाद आगामी रणनीति तय करने के लिए आयोजित की गई

ED और CBI को बॉर्डर पर भेजिए, दुश्मन BJP में प्रवेश कर

सरेंडर कर देंगे! सामना संपादकीय में मोदी सरकार पर तंज

उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के मुखपत्र सामना अखबार के संपादकीय में देश की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा गया है। संपादकीय में लिखा गया है कि कश्मीरी पंडित आज भी असुरक्षित हैं। वर्ष 2016 में जब देश में नोटबंदी की गई, तब काला धन के साथ आतंकवाद खत्म होने की भी वजह बताई गई थी। लेकिन कश्मीर में आतंकवादी हमले जारी हैं। पुलवामा हमला भी नोटबंदी के बाद हुआ था। लेकिन उस पर प्रधानमंत्री नहीं बोले और न ही अब जम्मू-पुंछ मार्ग पर हुए हमले के बारे में। कश्मीर के हमलों के बारे में क्या प्रधानमंत्री मोदी कुछ बोलेंगे? न युद्ध की भाषा, न बुद्ध की, कम-से-कम प्रतिकार की भाषा तो बोलिए। या फिर सीमा पर शस्त्रधारी ईडी, सीबीआई को भेजिए। क्या कहें, दश्मन भाजपा में प्रवेश करके आत्मसमर्पण कर देंगे! सामना ने लिखा है की देश के गृहमंत्री



हैं। कर्नाटक का विधानसभा चुनाव जीतने का भार उन पर है। फिर 2024 से पहले देश के सभी विपक्षी दलों को तोड़कर तहस-नहस करना और बीजेपी को फिर जीत दिलाने के काम में वे व्यस्त हैं। गृहमंत्री, रक्षामंत्री व

प्रधानमंत्री राजनीतिक काम में व्यस्त होने का फायदा उठाते हुए पाकड़ी आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर में सेना के वाहनों पर बम फेंका, जिसमें हमारे पांच सैनिक शहीद हो गए। फिर खुलासा हो गया है कि कश्मीर घाटी में शांति नहीं है और आतंकवादियों की गतिविधियां जारी हैं।

प्रधानमंत्री दिल्ली में विश्व बौद्ध शिखर

परिषद में भाषण दे रहे थे सामना ने लिखा है कि पुंछ-जम्मू मार्ग पर जब आतंकवादी हमारे जवानों पर बम हमला कर रहे थे। तब हमारे प्रधानमंत्री दिल्ली में विश्व बौद्ध शिखर परिषद में भाषण दे रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने दुनिया से कहा, 'भारत युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध के रास्ते पर ही चल रहा है।' बुद्ध का मार्ग शांति का मार्ग है। इस पर किसी की दो राय नहीं हो सकती। लेकिन कश्मीर घाटी में आतंकवादी रोजाना हिंसाचार कर रहे हैं। क्या उसे सही में शांति के मार्ग से खत्म किया जा सकता है? चीन बुद्ध के विचारों वाला देश है। हिंदुस्तान की सीमा को सबसे ज्यादा कोई कुतर रहा है तो वह चीन है। चीन ने लद्दाख में घुसपैठ की है, चीन अरुणाचल प्रदेश को नोचना चाहता है।

चीन, हिंदुस्तान के विरोध में पाकिस्तान, नेपाल को मदद कर रहा है। हिन्दुस्तान की अर्थव्यवस्था को चीन नुकसान पहुंचा रहा है। यह करते हुए चीन ऐसा कभी नहीं कहता कि भगवान बुद्ध के भविष्य और शाश्वत के मार्ग पर वह चल रहा है। चीन साम्राज्यवादी है और दूसरे देशों पर आर्थिक व अन्य आक्रमण करके उसने अपना साम्राज्य बढ़ाया है। चीन में तानाशाही है और

देश की जीडीपी में व्यापारियों की भूमिका महत्वपूर्णः नारायण राणे

कैन्द्रीय एमएसएमई मंत्री ने देश के प्रत्येक व्यापारी को एमएसएमई में पंजीयन कराने का किया आह्वान

(कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया देश के करोड़ों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले व्यापारी वर्ग का देश के जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान है यह बात कैन्द्रीय एमएसएमई मन्त्री नारायण राणे ने नई दिल्ली में कैट के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों का सबसे बड़ा संगठन कैट देश के प्रत्येक व्यापारी को एमएसएमई में पंजीयन कराएं ।इस अवसर कैट ने देश के नागरिकों को भविष्य के डिजिटल इंडिया में लेन देन एवं खरीददारी के आधुनिक तौर तरीके सिखाने के लिए कैट डिजिटल नागरिक फोरम लान्य किया।कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा कि भविष्य में जिस



इंटरनेट का उपयोग बढ़ रहा है इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक को डिजिटल नागरिक बनाने का काम कैट करेगा, ताकि पांच ट्रिनियल डालर की अर्थव्यवस्था में प्रत्येक नागरिक अपना योगदान दे सकें।कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खण्डेलवाल ने कहा कैट व्यापारियों को ई रिटेल, डिजिटल पेमेंट, डिजिटल बैकिंग, सहित सभी जानकारी दे रहा है।सम्मेलन में जीएसटी की जटिलताओं, ई कामर्स की पालिसी को लेकर व्यापारियों ने चिंता जाहिर करते हुए केंद्र सरकार को आगाह किया कि इस पर जल्द से कदम

उठाए।शंकर ठक्कर ने आगे कहा कि व्यापारियों द्वारा हर माह लगभग डेढ़ लाख करोड़ जीएसटी के रूप में जमा किया जाता है। फिर भी नये नये कानुन थोपकर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। विदेशी कंपनियां भी ई कामर्स पालिसी नहीं होने का फायदा उठा रही हैं। छोटे व्यापारियों का व्यापार चौपट हो रहा है। देश के व्यापारियों का भविष्य अंधेरे में है। हमें विश्वास है कि सरकार इस पर गंभीरता से ध्यान देंगी।: कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, महाराष्ट्र प्रदेशमहामंत्री :

श्री शंकर ठक्कर

तरह से डिजिटल टेक्नोलॉजी और

ण्डल्प्या पुंबई तरंग <u>चंगानकी स्व</u> संपादकीय 📣



पाक का इरादा क्या है

पाकिस्तान ने गुरुवार को इस बात की औपचारिक पुष्टि कर दी कि उसके विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने गोवा में होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने आएंगे। इस यात्रा की सूरत बनना इस लिहाज से अहम है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पिछले कुछ समय से बेहद बुरे दौर से गुजर रहे हैं। अगर यह यात्रा होती है तो पिछले करीब एक दशक में पहला मौका होगा, जब पाकिस्तान का



कोई बड़ा नेता भारत यात्रा पर आएगा। बिलावल न केवल पाकिस्तान के विदेश मंत्री बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बेटे और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के प्रमुख नेता भी हैं। जाहिर है, उनका आना केवल एक विदेश मंत्री का आना नहीं होगा। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि भारत की ओर से आमंत्रित किए जाने और पाकिस्तान की ओर से यात्रा की पुष्टि किए जाने के बाद भी इस संभावित यात्रा के साथ यह सवाल बना हुआ है कि यह सचमुच होगी या किसी बहाने से आखिरी पलों में टाल दी जाएगी। इसका एक बड़ा कारण है कश्मीर में गुरुवार को सेना पर हुआ एक और आतंकी हमला, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। गौर करने की बात है कि भारत-पाक संबंधों में आई हालिया खटास के पीछे सबसे बड़ी भूमिका आतंकी घटनाओं की ही रही है।

2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी शामिल हुए थे। उसे दोनों देशों के रिश्तों में एक नई पॉजिटिव शुरुआत के रूप में देखा गया था। उसके बाद अगले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अचानक नवाज शरीफ के एक पारिवारिक समारोह में शामिल होकर सबको चौंका दिया था। मगर जनवरी 2016 में पठानकोट और सितंबर 2016 में उरी में हुए आतंकवादी हमलों के बाद हालात बदलते चले गए। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवादी गतिविधियां और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकतीं। उधर, पाकिस्तान ने भी 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के फैसले को मुद्दा बना लिया। कुल मिलाकर दोनों तरफ हालात रिश्तों में सुधार के प्रतिकूल ही नजर आ रहे थे। मगर पिछले कुछ समय से स्थितियां बदलती नजर आईं। जहां पाकिस्तान असाधारण आर्थिक मुश्किलों से घिर गया और वहां भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों में सुधार के लिए दबाव महसूस किया जाने लगा, वहीं चीनी सीमा पर तनाव के मद्देनजर भारत में भी पाकिस्तान के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने की बात कही जाने लगी है। ऐसे मौके पर SCO के विदेश मंत्रियों की यह बैठक एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है। लेकिन मूल सवाल यही है कि क्या पाकिस्तान आतंकी तत्वों की हरकतों पर लगाम लगाने की भारत की बुनियादी मांग को सम्मान देने की इच्छा शक्तिदिखापाएगा?

दिल पागल है रोज नई नादानी करता है

शायर जो बात हमेशा से जानते हैं, जाने क्यों ये डॉक्टर नहीं समझते। जैसे हर इंसान एक सा नहीं होता, वैसे ही दिल भी अलग-अलग ही होते हैं। हाल ही में देश के एक जाने-माने डॉक्टर ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति एक महीने के भीतर दो बार एवरेस्ट चढ़ और उतर ले, फिर भी उसे यह नहीं समझना चाहिए कि वह एकदम फिट है। अगर उसे अचानक होने वाले हार्ट अटैक से बचना है तो सबसे जरूरी है कि बिना किसी लक्षण के भी वह जांच कराए। खासतौर से सीटी, एंजियो जैसे जांच।

अब इसे लेकर न केवल आम लोग परेशान हैं, बल्कि डॉक्टर समुदाय, खासतौर से हृदय रोग विशेषज्ञों के बीच बवंडर मचा हुआ है। इस बारे में पहले जांच कराने वाले महशूर डॉक्टर का आर्टिकल छपा और फिर उनकी कुछ बातों को गलत बताने वाले दूसरे विशेषज्ञों का लेख आया। दूसरे विशेषज्ञों का कहना है कि लक्षण महसूस होने और अपनी लाइफस्टाइल के दोष समझ में आने पर ही जांच करानी चाहिए। चूंकि देश के जाने-माने विशेषज्ञ डॉक्टर एक ही विषय पर दो अलग-अलग बातें कह रहे थे, इसलिए

आम लोगों का परेशान होना लाजिमी है। कोविड के बाद से आम लोग पहले से ही परेशान हैं। आए दिन युवाओं और अधेड़ों की मौत के विडियो आ रहे हैं। कहीं कोई जिम में अचानक गिरकर दम तोड़ देता है तो कहीं कोई नाचते हुए या रामलीला में अभिनय

तरह की थ्योरी लोगों के बीच हैं। किसी का कहना है कि कोविड वायरस के असर ने दिल की धमनियों को कमजोर कर दिया है। तो एक तबका ऐसा भी है, जो इसके लिए वैक्सीन के दुष्प्रभावों को जिम्मेदार ठहराता है। इसके पक्ष में यूरोप और अमेरिका में शुरुआती इस्तेमाल के बाद कुछ खास तरह की वैक्सीनों पर रोक लगाए जाने के उदाहरण भी दिए जाते हैं, जो रक्त का थक्का जमाने की जिम्मेदार मानी जा

अब दो विशेषज्ञ समूहों के आमने-सामने आ जाने से लोग सोच रहे हैं कि आखिर करना क्या चाहिए। क्या बिना किसी लक्षण के भी सीटी और एंजियो



जैसी जांच करानी चाहिए? जैसा कि एक एक्सपर्ट कह रहे हैं। या फिर उनकी बात माननी चाहिए कि जो यह कह रहे हैं कि बिना लक्षणों के जांच नहीं करानी चाहिए। इस बारे में कुछ सुलझे हुए हृदय रोग विशेषज्ञों से बात की तो उनका झुकाव दूसरे पक्ष की ओर नजर आया। ज्यादातर विशेषज्ञों का कहना है कि सीटी, एंजियो हो या कोई भी जांच। उसकी जरूरत महसूस होने पर ही

अब सवाल यह उठता है कि लोगों को जरूरत महसूस कैसे हो? जिस देश में

लोग दिन भर में आठ-दस चाय, दो-चार समोसे और छोले-भटूरे टाइमपास करने के लिए ही खा जाते हों और जिन्हें भूसी वाले आटे और मैदे के शरीर पर पड़ने वाले असर के फर्क का अंदाज न हो, उन्हें कोई कैसे महसूस कराएगा। युवावस्था में अचानक हो रहे हार्ट अटैक की बात करें तो फीफा कप के दौरान खेलते हए एक फुटबॉलर को भी दिल का दौरा पड़ने के उदाहरण हैं। फुटबॉलर सबसे फिट माने जाते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि ऐसे कुछ दुर्लभ मामले हो सकते हैं, जिनमें फिट लोगों को भी सडन हार्ट अटैक हो, पर ज्यादातर मामलों में शरीर खुद बताने लगता है कि

कुछ गड़बड़ है। यह सच है कि अब युवावस्था में ज्यादा हार्ट अटैक आ रहे हैं, तो इसके पर्याप्त कारण हैं। लोगों में तनाव बढा है। प्रतिद्रन्दिता बढी है, बाहर के खाने पर निर्भरता बढ़ी है, बहुत ज्यादा प्रदूषण है और लोगों में फिट रहने के कुदरती तौरतरीके कम हुए हैं। पुराने वक्त में युवा बच्चे अपने बुजुर्गों को हार्ट एक्सपर्ट के यहां ले जाते थे। आजकल बुजुर्ग मां-बाप बच्चों को लेकर जा रहे हैं। रक्त

वाहिनियां और धमनियां अब जल्दी बूढ़ी होने लगी हैं। युवावस्था में ही। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है, जीवनशैली को सुधारना। अपने बॉडी मास इंडेक्स (BMI) को समझना। यानी लंबाई और उम्र के हिसाब से शरीर का वजन कितना है। आप अल्कोहोलिक हैं या नहीं। सिगरेट पीते हैं या कोई नशा करता है तो आप के भीतर दिल के रोगों की आशंका ज्यादा रहती है। अगर ज्यादातर बाहर का खाना खाते हैं या फिर होम डिलिवरी वाले खाने पर निर्भर

है। बहुपक्षीय आधार पर चार देशों

वाले क्वॉड के सदस्य देशों के बीच

हैं तो खाने की शुद्धता की गारंटी संदिग्ध होती ही है।

घर के भीतर, कार्यक्षेत्र में या प्रोफेशनल वर्ल्ड में आप की संतुष्टि का स्तर कैसा है और लोग आपसे कितने दुखी या खुश रहते हैं, इसका भी एक व्यक्ति की सेहत पर असर पड़ता है। हाइपरटेंशन और शुगर दो बड़े संकेत तो होते ही हैं। ऐसे में अब सिर्फ बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि युवाओं को अपने शारीरिक बदलावों को वक्त रहते महसूस करना चाहिए। अगर कोई लक्षण महसूस हो तो जांच करानी चाहिए। बाकी विशेषज्ञों की बहसों में उलझने से कोई फायदा नहीं। अपने शरीर को खुद समझिए। खासतौर से दिल को, क्योंकि दिल के बारे में इफ़्तिख़ार आरिफ़ ने कहा है-



चीन-अमेरिका की लड़ाई में भारत का फायदा, एडवांस्ड टेक्नॉलजी में चीन का बनेगा विकल्प

आपके कंप्यूटर या स्मार्टफोन में जो सेंट्रल प्रॉसेसिंग यूनिट (CPU) है, उसे इनका दिमाग कहा जाता है। इसमें जो मेमरी चिप लगाई जाती है, उसका साइज घटकर 0.7 नैनोमीटर तक रह गया है। यानी एक मीटर का अरबवां हिस्सा। इंसानी बाल की मोटाई भी इससे कई गुना ज्यादा होती है। CPU के अत्यधिक पतला होने से प्रॉसेसर बेहद छोटा हो जाता है। साथ ही, इसमें कहीं अधिक डेटा स्टोर होता है। इससे बैटरी की खपत भी घटती है। अमेरिका ने ऐसे ही 0.7 नैनोमीटर वाले सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने वाली लिथोग्राफी मशीन का चीन को निर्यात नहीं करने की सलाह नीदरलैंड को कुछ समय पहले दी। वैसे तो चीन ने भी इस साइज की मेमरी चिप्स बनाने का दावा किया है, लेकिन अभी तक वहां इसका औद्योगिक इस्तेमाल नहीं दिखा है। चीनी कंपनियां फिलहाल 22 नैनोमीटर के चिप्स ही बनाती हैं। आखिर, चीन पर पश्चिमी देशों की इस सख्ती का क्या मतलब है? तकनीक

0.7 नैनोमीटर चिप्स का इस्तेमाल सुपरकंप्यूटरों को अधिक सक्षम बनाने में किया जा सकता है। इसीलिए अमेरिका ने चीन को एडवांस्ड सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने वाली तकनीक और मशीनों के निर्यात पर रोक लगाई है। इन मेमरी चिप्स का इस्तेमाल अंतरिक्ष, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में भी होता है। अमेरिका को डर है कि इनकी बदौलत चीन उच्च तकनीकी उत्पादों के क्षेत्र में उससे आगे निकल सकता है। इसलिए अमेरिका ने चीन को खुद एडवांस्ड टेक्नॉलजी देना तो बंद किया ही, सहयोगी देशों से भी इस पाबंदी पर अमल सुनिश्चित करने की अपील की। अमेरिका के इस कदम से चीन में मेमरी चिप्स बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी यांग्चे मेमरी टेक्नॉलजी कॉरपोरेशन का धंधा चौपट होने लगा है। इसके साथ, चीन में जो एडवांस्ड टेक्नॉलजी से चलने वाले कारखाने हैं, उन पर भी इस पाबंदी का बुरा असर ह्आ है। क्यों हुई सख्ती सेमीकंडक्टर चिप्स तो सिर्फ एक चीज

हुई। चीन को इसी तरह के कई अन्य उच्च तकनीक वाले प्रॉडक्टस के निर्यात पर भी पिछले कुछ महीनों में रोक लगाई गई है। कुछ साल पहले आशंका जताई गई थी कि चीन 5-जी की दूरसंचार तकनीकी क्षमता वाले मोबाइल फोन और अन्य दूरसंचार उपकरणों के जरिये प्रतिद्वंद्वी देशों के संवेदनशील आंकड़े हासिल कर सकता है। इसलिए तब अमेरिका और इसके साथी यूरोपीय, एशियाई देशों ने चीन की हुवावे, जेडटीई जैसी कंपनियों को अपने यहां प्रतिबंधित कर दिया था। यह दोनों खेमे के बीच टेक्नॉलजी वॉर की शुरुआत थी, जो पिछले कुछ महीनों में काफी तेज हुई है। इस युद्ध को चीन और अमेरिका के बीच चल रही सामरिक और कूटनीतिक होड़ का ही विस्तार कहा जा सकता है। भारत का फायदा दरअसल, चीन आसपास के समुद्री इलाकों में दबदबा स्थापित करना चाहता है। इसके लिए उसने जो आक्रामक तेवर अपनाया है, उसके खिलाफ अमेरिका सहयोगी देशों के साथ लामबंदी में जुट गया है। अमेरिका का मानना है कि चीन पर लगे तकनीकी प्रतिबंध से वहां काम कर रही कई अमेरिकी कंपनियां भी प्रभावित हो सकती हैं। वहीं, चीन में

ऐसे उपकरणों की सप्लाई रुकने से

यूपी में कितनी असरदार होगी यह तिकड़ी

उसके और सहयोगी देशों की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए ये भारत को चीन का विकल्प बनाना चाहते हैं।

अमेरिका चाहता है कि एडवांस्ड टेक्नॉलजी सिर्फ सहयोगी देशों के साथ साझा की जाए। इस वजह से अमेरिका की वाणिज्य मंत्री गीना रैमैंडो ने भारत के साथ सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में सहयोग का समझौता किया है। भारत ने अन्य देशों के साथ भी इसी तरह के द्विपक्षीय सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा शुरू की है। इसी कड़ी में ताइवान की फॉक्सकॉन ने भारत में कुछ अरब डॉलर की लागत से सेमीकंडक्टर यनिट लगाने का ऐलान किया है। सेमीकंडक्टर के अलावा कई तरह के रेयर अर्थ यानी दुर्लभ खनिजों के उत्पादन और सप्लाई के लिए भी अमेरिका और उसके साथी देश भारत को चीन के विकल्प के तौर पर देख रहे हैं। इसका लाभ उठाने के लिए भारत ने जापान, ऑस्ट्रेलिया और

बहुपक्षीय स्तर पर भी सहयोग संधियों

को व्यवहार में लाने की पहल तेज की

क्रिटिकिल एंड इमर्जिंग टेक्नॉलजी ग्रुप का गठन किया गया है। इसकी बैठकों में भारत को संवेदनशील तकनीक वाले उत्पादों के केंद्र बनाने के बारे में भी चर्चा हुई है। दरअसल, हिंद-प्रशांत को लेकर चीन बहुत आक्रामक है। इस इलाके में उसकी मनमानी रोकने के लिए अमेरिका, जापान, ऑस्टेलिया और भारत ने क्वॉड का गठन किया। इसके सदस्य देश भारत को भरोसेमंद साझेदार मानते हैं। इसलिए उन्होंने एडवांस्ड टेक्नॉलजी के क्षेत्र में भारत को मजबूत बनाने की पहल शुरू की है। इससे भारत के समक्ष सुनहरा मौका बना है। कभी सोवियत खेमे में शामिल माने जाने और स्वतंत्र परमाण् कार्यक्रम चलाने के कारण भारत पिछली सदी के उत्तरार्ध में कई तरह के तकनीकी प्रतिबंधों का शिकार रहा है। इससे उसकी ग्रोथ पर बुरा असर पड़ा। बदले भू-राजनीतिक यूरोपीय देशों के साथ द्विपक्षीय समीकरण में उसके लिए हालात सहयोग समझौतों के अलावा माकूल हो गए हैं।

> अमेरिका, जापान से पंगा अस्सी और नब्बे के दशक में तत्कालीन

सोवियत संघ के मुकाबले चीन को खड़ा करने के इरादे से अमेरिका, जापान और यूरोपीय देशों ने न केवल चीन में उच्च तकनीक उत्पादों वाले कारखाने खोले बल्कि चीनी कंपनियों को ऐसी टेक्नॉलजी भी दी। अमेरिकी तकनीक की बदौलत ही चीन बड़ी सैन्य और आर्थिक ताकत बना। आज वही चीन अमेरिका और जापान को आंखें दिखा रहा है। इसलिए अमेरिका आज भारत को खड़ा करना चाहता है। भारत को इसका फायदा उठाना चाहिए। इससे उसे 2047 तक विकसित देश बनने का सपना पूरा करने में मदद मिलेगी।



किरीट ए. चावड़ा

14 अप्रैल को बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर देश के अलग-अलग हिस्सों से इसके आयोजन की तमाम खबरें और तस्वीरें आईं। लेकिन जिस एक तस्वीर की सबसे ज्यादा चर्चा हुई, वह बाबा साहेब की जन्मस्थली महू से थी, जहां पर यूपी के तीन नेताओं ने जयंती के बहाने एक साथ मंच साझा किया। ये नेता थे- SP चीफ अखिलेश यादव, RLD चीफ जयंत चौधरी और भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर। वैसे तो अखिलेश यादव और जयंत चौधरी एक गठबंधन का हिस्सा हैं, चंद्रशेखर को ही इसमें नया कहा जा सकता है, लेकिन तीनों ने जिस मौके का इस्तेमाल एक साथ मंच साझा करने के लिए किया, उसे एक नए राजनीतिक प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है। सूबे की राजनीति में अलग-अलग जाति-समूहों की नुमाइंदगी करने वाले अखिलेश और जयंत ने चंद्रशेखर की शक्ल में न केवल अपना एक नया साथी तलाश किया है, बल्कि अनुसूचित जाति वर्ग को फोकस करते

हुए अपना नया राजनीतिक अजेंडा तय किया है। यह उनकी बड़ी जरूरत भी है क्योंकि 2014 से लेकर 2022 के बीच दो लोकसभा और यूपी के दो विधानसभा चुनावों में उन्हें न केवल बीजेपी से हार का सामना करना पड़ा है, बल्कि बीजेपी ने वोट प्रतिशत के मामले में भी बड़ी बढ़त बना ली है। 2022 के यूपी के विधानसभा चुनाव में बीजेपी का वोट 41 फीसदी को पार कर गया था, जबकि SP 32 फीसदी तक पहुंच सकी थी।

नए प्रयोग के मायने अब जब माना जा रहा है कि BSP सुप्रीमो मायावती की पॉलिटिक्स ढलान की ओर है, तो कहीं न कहीं चंद्रशेखर को उनके विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले कुछ सालों में चंद्रशेखर ने अनुसूचित जाति वर्ग के 'फायर ब्रैंड' नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है और अनुसूचित जाति के युवा वर्ग के बीच उनकी लोकप्रियता को खारिज भी नहीं किया जा सकता। हालांकि अभी यह प्रमाणित होना बाकी है कि उन्होंने अब तक अपनी जो पहचान बनाई है, वह वोट में तब्दील होने की कितनी क्षमता रखती है। अखिलेश यादव और चंद्रशेखर के बीच 2022 के चुनाव के लिए भी गठबंधन की बात चली थी, लेकिन वह सिरे पर



नहीं चढ़ पाई थी। उसकी वजह यह मानी जा सकती है कि समाजवादी पार्टी के अंदर यह माना जाने लगा था कि वह सरकार बनाने की तरफ बढ़ रही है, उसे बहुमत हासिल होने वाला है। ऐसे में उन्हें चंद्रशेखर की कोई खास जरूरत नहीं महसूस हुई। लेकिन नतीजों के आने के बाद अखिलेश यादव और चंद्रशेखर फिर से एक-दूसरे के न केवल नजदीक आए, बल्कि अखिलेश, चंद्रशेखर को इस बात को लेकर प्रेरित भी कर रहे हैं कि उन्हें BSP से अलग होने वाले कोर नेताओं और वोट बैंक को अपने साथ

लाने की लगातार कोशिश करनी चाहिए। अभी तक के संकेतों से लग रहा है कि 2024 में चंद्रशेखर समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उधर, RLD के जयंत चौधरी के पास भी समाजवादी पार्टी के साथ बने रहने का ही विकल्प रह गया है। एक वक्त जाट वोटों पर उनके परिवार की सबसे ज्यादा पकड़ हुआ करती थी और उसी की बदौलत हर पार्टी की ओर से उनकी मांग हुआ करती थी। लेकिन 2014 के बाद वेस्ट यूपी की पॉलिटिक्स का भी चेहरा बदल गया। अब जयंत चौधरी किसी भी पार्टी के

चुनाव में जब एक वक्त बीजेपी के अंदर जयंत चौधरी का साथ लेने पर अंदरूनी विमर्श शुरू हुआ था, तो बीजेपी की जाट लीडरशिप ने ही जयंत का साथ लेने पर असहमति दर्ज करा दी थी। अखिलेश यादव भी कांग्रेस से लेकर BSP तक से चुनावी गठबंधन के प्रयोग करने के बाद चार-चार चुनाव हारने से काफी दबाव महसूस कर रहे हैं। मुलायम सिंह यादव के बाद उनके सामने खुद को साबित करने की चुनौती है। 2024 के चुनाव में अगर समाजवादी पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई तो 2027 की राह बहुत कठिन हो जाएगी। यही वजह है कि अखिलेश यादव इन दिनों अपने वोट बैंक को बढ़ाने की कोशिश में जुटे हैं। अपने कुल राजनीतिक अनुभव से वह इतना तो जानते ही हैं कि बीजेपी से उनके वोट बैंक का जो फासला है, वह काफी बड़ा है। कामयाबी की कितनी उम्मीद अनुसूचित जाति वर्ग को फोकस करते हुए अखिलेश-जयंत-चंद्रशेखर की तिकड़ी के नए अजेंडे से कहीं सबसे ज्यादा बेचैनी देखी जा रही है तो वह BSP में ही है। कांशीराम से लेकर आंबेडकर तक, समाजवादी पार्टी ने जिस तरह से

लिए अपरिहार्य नहीं रहे। 2022 के विधानसभा

आक्रामक तेवर अपना रखे हैं, BSP चीफ मायावती उस पर हमलावर हैं। यह उनकी बेचैनी को भी दिखाता है। उधर, बीजेपी की तरफ से भी अनुसूचित जाति वर्ग के नेता डॉ. लाल जी प्रसाद निर्मल ने मोर्चा संभाल लिया है। मनोनयन कोटे से योगी सरकार ने अभी हाल में डॉ. निर्मल को विधान परिषद भेजा है। डॉ. निर्मल भी अनुसूचित वर्ग से अखिलेश यादव की सहानुभूति को छलावा करार दे रहे हैं। यानी पहली नजर में तिकड़ी के नए प्रयोग के असर की संभावनाओं को BSP और बीजेपी की तरफ से खारिज नहीं किया जा रहा है, लेकिन जहां तक कामयाबी की बात है, उसे लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। वेस्ट यूपी में जयंत चौधरी का जाट वोट बैंक पर प्रभाव तो है, लेकिन उन्हें वह समाजवादी पार्टी को ट्रांसफर कर सकें, ऐसा दमखम उनमें नहीं दिखता। वेस्ट यूपी में भी जाट और जाटव परंपरागत रूप से अलग-अलग पाले वाले वोटर हैं, इसलिए मायावती ने आज तक RLD के साथ कभी चुनावी गठबंधन नहीं किया। अनुसूचित वर्ग का अगर BSP से मोहभंग होता है तो क्या चंद्रशेखर उसके लिए विकल्प होंगे, यह भी तय नहींहै।

खारघर घटना की जांच के लिए समिति नियक्त

मुंबई। नवी मुंबई के खारघर में महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार समारोह के बाद हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जांच के लिए राज्य सरकार ने एक समिति स्थापित करने की घोषणा की है। राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की एक सदस्यीय समिति एक महीने में अपनी रिपोर्ट देगी। खारघर में हुए महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार समारोह में गर्मी और लू की वजह से 14 लोगों की मौत हो गई थी।

उधर विपक्ष के नेता अजित पवार राज्यपाल रमेश बैस को पत्र लिखकर खारघर हादसे की न्यायिक जांच की मांग की है।उनका कहना है कि इस कार्यक्रम के लिए बड़े पैमाने पर सरकारी मशीनरी का उपयोग किया गया था, लेकिन उसका खर्च दिखाया नहीं गया। इस बात की जांच होनी चाहिए। विपक्ष की तरफ से खारघर में हुए हादसे की जांच करने की लगातार मांग हो रही थी, ऐसे में सरकार ने अब समिति नियुक्त करने की घोषणा की है। यह समिति एक



माह में रिपोर्ट पेश करेगी। साथ ही भविष्य में इस तरह के आयोजन को लेकर क्या सावधानियां बरतनी चाहिए, इसकी सिफारिश भी करेगी।

मौत की वजह हीट स्ट्रोक खारघर हादसे के मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 14 में से 12 मृतकों ने छह से सात घंटे तक कुछ खाया नहीं था। बाकी दो लोगों ने कुछ खाया है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं हो सकता है। ऐसे में समय पर खाना नहीं खाने और अत्यधिक गर्मी (Excessive heat) मौत का कारण बना। मृतकों में दस महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। इस मामले में सात मरीज अब भी

अस्पताल में भर्ती हैं। अजित पवार ने राज्यपाल को लिखा पत्र उधर विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार ने राज्यपाल रमेश बैस (Ramesh Bais) को पत्र लिखकर खारघर में महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार वितरण समारोह में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि सोशल मीडिया पर घटना को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आ रही है। इस समारोह में भगदड की वजह से लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है। कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों के लिए पीने के पानी की कोई

व्यवस्था नहीं थी। अनुयायी सात घंटे तक बिना पानी या भोजन के धूप में रहे। भीड़ का नियोजन नहीं होने की वजह से एंबुलेंस को मरीजों तक पहुंचने में देरी हुई। प्रदेश में भीषण गर्मी के दौरान खुली धूप में कार्यक्रम हुआ। समारोह आयोजित करने का काम एक ऐसी कंपनी को काम दिया गया, जिसे इतने भव्य आयोजन का कोई अनुभव नहीं था। इस घटना में मरने वालों की संख्या आधिकारिक मरने वालों की संख्या से अधिक है। ऐसे कई मामले धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। अजित पवार ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इन सभी मामलों को सत्यापित करना और जनता के सामने सच्चाई लाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लिए तकरीबन 14 करोड़ रुपए खर्च किए गए। सरकार को गर्मी को देखते हुए सभी संभावनाओं की पड़ताल करने की आवश्यकता थी, लेकिन यह नहीं होने पर 14 लोगों की बेवजह मौत

शरद पवार से मिले उद्योगपति गौतम अडानी

मुंबई। अडानी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की विपक्षी दलों की मांग के बीच गुरुवार को उद्योगपति गौतम अडानी ने राकांपा प्रमुख शरद पवार के दक्षिण मुंबई स्थित घर सिल्वर ओक पर जाकर उनसे मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार दोनों के बीच तकरीबन दो घंटे तक बातचीत हुई। इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। दो हफ्ते पहले एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी को लेकर कहा था कि उन्हें अज्ञात लोगों की तरफ से टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने विपक्षी दलों की जेपीसी गठन की मांग से भी किनारा कर लिया था। शरद पवार और गौतम अडानी के बीच क्या बातचीत हई, इसका ब्यौरा सामने नहीं आ सका। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों की मुलाकात अकेले कमरे में हुई और इस दौरान उनके साथ कोई मौजूद नहीं था। इससे पहले शरद पवार ने अडानी-हिंडनबर्ग पर एक बड़ा बयान देकर विपक्षी खेमें में खलबली मचा दी थी। शरद पवार ने कहा था कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर भरोसा नहीं



हिंडनबर्ग ने 24 जनवरी को क्योंकि जेपीसी में संख्या बल के प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में अडानी हिसाब से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दबदबा होगा, ग्रुप के ऊपर स्टॉक में हेराफेरी करने जिसके चलते जांच को लेकर संदेह का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के पैदा होगा। हालांकि बाद में पवार ने कारण अडानी ग्रुप की शेयरों की कहा था कि विपक्षी एकता की खातिर उनकी पार्टी जेपीसी गठन कैपिटलाइजेशन में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि अब का विरोध नहीं करेगी। उच्चतम न्यायालय ने पिछले महीने शेयर बाजार में कंपनी की स्थिति स्थिर बाजारों के लिए विभिन्न नियामक है। बता दें कि संसद का बजट सत्र पहलुओं की जांच के लिए शीर्ष अडानी मुद्दे की वजह से भेंट चढ़ अदालत के एक पूर्व न्यायाधीश की गया। राहुल गांधी के नेतृत्व में अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति कांग्रेस इस मुद्दे पर हमलावर नजर गठित करने का आदेश दिया था। आ रही है। राहुल गांधी ने यहां तक समिति हिंडनबर्ग रिसर्च के कह दिया है कि उनकी संसद धोखाधड़ी के आरोपों के बाद, सदस्यता इसलिए गई है, क्योंकि अडानी समूह के शेयरों में आई वह सरकार से लगातार अडानी मुद्दे हालिया गिरावट की जांच करेगी। पर सवाल कर रहे थे।

को संबोधित करेंगे मोदी नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवारको विश्व बौद्ध शिखर सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करेंगे। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय द्वारा 20 और 21 अप्रैल को यहां दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन, बौद्ध और सार्वभौमिक चिंताओं के संबंध में वैश्विक बौद्ध धम्म नेतृत्व और विद्वानों को एक साथ लाने का एक प्रयास है, ताकि इन मामलों को सामहिक रूप से संबोधित करने के लिए नीतिगत विचार एका किए जा सके। शिखर सम्मेलन में इस बात का भी पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि कैसे बुद्ध धम्म के मौलिक मूल्यों से समकालीन परिस्थितियों में प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त किए जा सकते हैं।

विश्व बौद्ध शिखर सम्मेलन

कोरोना : एक्टिव केस

बढ़कर 61,233 हुए **नई दिल्ली।** भारत में एक दिन में कोरोना संक्रमण के 7,633 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढकर 4.48.34.859 हो गई। वहीं देश में उपचाराधीन मरीजे की संख्या बढ़कर 61,233 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से दिल्ली में चार और हरियाणा, कर्नाटक तथा पंजाब में एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 5,31,152 हो गई। वहीं संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में चार नाम और जोड़े हैं।

मुठभेड़ में एक नक्सली

ढेर, दो गिरफ्तार **बीजापुर।** छत्तीसगढ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मंगलवार को एक नक्सली को मार गिराया तथा दो नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि जिले के नैमेड थाना क्षेत्र में कचलावारी गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया तथा दो नक्सलियों को पकड लिया है। उन्होंने बताया कि नैमेड़ थाना क्षेत्र में भैरमगढ़ एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजुदगी की सुचना मिलने पर रेडडी गांव स्थित शिविर से डीआरजी के दल को गश्त पर रवाना किया गया था।

जन औषधि केंद्र योजना लागू करना चाहते हैं जी20 देश पणजी । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहाँ कि पणजी में जी-20 के शामिल हुए प्रतिनिधियों ने जन औषधि केंद्र में दिलचस्पी दिखाई है और लागू करने की इच्छा जताई है जिसके लिए भारत हरसंभव मदद देगा। औषधि केंद्र का दौरा कराया। उन्होंने उन्हें बताया कि कैसे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना पूरे देश किफायती दवाइयां उपलब्ध कराती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, भारत ने कभी स्वास्थ्य को व्यापार से

राज्यपाल रमेश बैस के हाथों हुआ अथर्व फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय रक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन

राज्यपाल ने शहीद जवानों की बेटियों को शिक्षा के लिए निःशुल्क लैपटॉप भी प्रदान किया



मुंबई। अथर्व फाउंडेशन के अध्यक्ष और बोरीवली विधायक सुनील राणे द्वारा दो दिवसीय रक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन बोरीवली में महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और सेना के वरिष्ठ और सेवानिवृत्त अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ. कोराकेंद्र ग्राउंड, बोरिवली पश्चिम में दो दिवसीय रक्षा प्रदर्शनी में देश के आधुनिक हथियारों और रक्षा यंत्र

को लोगों के लिए प्रदर्शित किया जा रहा है. भारतीय सशस्त्र बल अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों की दो दिवसीय प्रदर्शनी में सशस्त्र बलों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी भी दी जा रही है. सैनिकों के पराक्रम की अनकही गाथाएं ऑडियो-विजुअल के साथ दिखाया जा रहा है साथ ही शहीद सैनिकों के परिवारों को सम्मानित किया गया. अथर्व राज्यपाल के हाथों शहीद जवानों बेटियों को शिक्षा के लिए निःशुल्क लैपटॉप का भी वितरण भी किया गया.बोरीवली में पहली बार इस तरह का आयोजित करने के लिए विधायक सुनील राणे के कुशल

फाउंडेशन की ओर से किया गया एक शानदार आयोजन है. विधायक सुनील राणे ने कहा कि यह प्रदर्शनी युवाओं को सेना में भर्ती होने और सेना में करियर के अवसरों के बारे में जानने के लिए उपयुक्त व्यवस्था की गयी है. विशेष रूप से बोरीवली के स्थानीय नागरिकों के लिए यह गर्व और सम्मान का अवसर है.- संतोष साह्

ओटीटी चैनल सिने प्राइम पर 45 लाख रूपए के फ्रॉड का मामला, पुलिस स्टेशन में एनसी दर्ज

मुम्बई। बॉलीवुड में धोखेबाजी के कई मामले सामने आते रहते हैं। इस बार सिने प्राइम पर 45 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला चर्चा में आया है। प्रोडक्शन हाउस ब्लू ओशियन फिल्म्स के संचालक राम सिंह का कहना है कि मैं एक फ़िल्म प्रोड्यूसर हूँ। मैंने 2 वेब सीरीज ओटीटी चैनल सिने प्राइम के लिए बनाई थी। एक सीरीज मार्च 2022 और दूसरी सीरीज अप्रैल 2022 में बनाई थी। मेरी बनाई दोनों वेब सिरिज ओटीटी चैनल सिने प्राइम पर चल रही हैं जो हिट हैं। ओटीटी चैनल सिने प्राइम ने उन दोनों सीरीज से काफी पैसा कमाया है मगर अभी तक मुझे पैसा नहीं मिला है। मैं पिछले एक साल से उनकी ऑफिस के चक्कर लगा रहा हूं। मैं हर महीने जाता हूँ और जब भी जाता हूं वे अगले माह की तारीख दे देते हैं। मुझे उन्होंने पोस्ट डेटेड चेक दिए थे जो बाउंस हो गए हैं और मुझे एक भी पैसा नहीं मिला। चेक बाउंस होने के बाद मैंने ओशिवरा पुलिस स्टेशन में एनसी भी करवाई है। सीरीज की शूटिंग के

BLUE समय हमने उनके साथ अग्रीमेंट बनाया था।

अब मैं खुलकर मीडिया के सामने आया हूँ और अपील करता हूँ कि इस मामले को सामने लाया जाए ताकि दूसरे निर्माता को भी पता चले कि सिने प्राइम एक चीटर और फ्रॉड कम्पनी है। राम सिंह ने आगे कहा कि मैं काफी परेशान हूँ मुझपर भी प्रेशर है इन्वेस्टर

से मैंने पैसे लिए हैं। इन्वेस्टर के रूप में राम सिंह से जुड़ी महिला ने बताया कि सिने प्राइम के मनीष शर्मा पिछले 4 महीनों से हमें दौड़ा रहे हैं। मुझ पर भी किसी का प्रेशर है। अब तो मुझे एफआईआर दर्ज करवाने के अलावा कोई रास्ता नजर नही आ रहा है। यह 2-3 लाख का मामला नही है बल्कि 45 लाख का मामला है। कई और लोगों के साथ भी सिने प्राइम ने ये हरकत की है। हमारे अकाउंट से या ब्लू ओशियन फिल्म्स के अकाउंट से किसी आर्टिस्ट को कोई पेमेंट नहीं गया है बेल्कि सिर्फ सिने प्राइम की पेमेंट गया है। सिने प्राइम ही आर्टिस्ट्स को साइन करता है, प्रोडक्शन वाला भी इनका ही होता है। हमारे पैसों से दो वेब सीरीज 'बाबा रैंचो और रजनी' बनी है, दोनों से सिने प्राइम को काफी फायदा हुआ है ऐसा उन्होंने खुद कहा है। राम सिंह ने कहा कि मैं मीडिया के माध्यम से अपील करना चाहता हूं कि सिने प्राइम जैसी धोखेबाज कंपनी से दुसरे निर्माता आर्टिस्ट सचेत रहें।

स्वास्थ्य कार्यकारी समूह की बैठक में उनमें से कुछ ने अपने देश में इसे मांडविया ने 10 प्रतिनिधियों को जन में लोगों को गुणवत्तापूर्ण तथा

बिना महारेरा रजिस्ट्रेशन के विज्ञापन प्रकाशित करने वाले 12 बिल्डरों पर जमार्ना

का 12 छापने वाले विकासकर्ताओं पर महारेरा ने 10 हजार, 25 हजार, 50 हजार और 1.5 लाख का जुर्माना लगाया गया है. इसमें मुंबई में एक डेवलपर सहित नासिकके 5,औरंगाबादके 4, पुणे के 2 डेवलपर शामिल है. महारेरा ने इन डेवलपर पर कार्रवाई करते हुए 5.5 लाख रुपए का जुर्माना वसूला है। अचल संपत्ति अधिनियम के अनुसार, 500 वर्ग मीटर या 8 फ्लैटों से अधिक की किसी भी परियोजना (फ्लैट सहित) को महारेरा के साथ पंजीकृत होना आवश्यक है. महारेरा पंजीकृत होने के बाद एक नंबर देती है। महारेरा पंजीकरण संख्या के बिना कोई भी विकासकर्ता परियोजना का किसी

भी प्रकार का विज्ञापन, उस परियोजना में घरों का पंजीकरण, बिक्री नहीं कर सकता है. हालांकि, महारेरा के संज्ञान में आया है कि कुछ डेवलपर्स इस नियम की अनदेखी करते हैं और बिना महारेरा पंजीकरण संख्या के विज्ञापन छापते हैं.

इसे महारेरा और इस तरह के प्रोजेक्ट्स को गंभीरता से लेकर कारण बताओ नोटिस भेजना शुरू कर दिया है. महारेरा अब तक राज्य में 54 परियोजनाओं को इस तरह के नोटिस भेज चुका है. इन डिवेलपर्स को अपना पक्ष रखने के लिए 7 दिन का समय दिया गया था. महारेरा ने प्रथम चरण में इनमें से 15 परियोजनाओं की सुनवाई की और 12 परियोजनाओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की. इनमें से 11



विकासकर्ताओं पर जुर्माना लगाया गया, भले ही उनके पास महारेरा पंजीकरण संख्या थी, लेकिन उन्होंने इसे विज्ञापन में नहीं छापा. एक विकासकर्ता पर 1.5 लाख, 7 विकासकर्ताओं पर 50-50 हजार तथा ३ विकासकर्ताओं पर २५-२५

हजार का जुर्माना लगाया गया है. इनमें से एक डेवलपर पर अपना रजिस्ट्रेशन नंबर बहुत छोटे अच्छरो में छापा इसके लिए 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया. इन विकासकर्ताओं को 15 दिनों के भीतर जुर्माने की राशि का भुगतान

करना होगा और जो भुगतान नहीं करते हैं, उन्हें विलंब के लिए प्रतिदिन 1 हजार रुपए अतिरिक्त देना होगा. इसके अलावा 15 दिनों के बाद जब तक वे जुर्माना अदा नहीं करते तब तक वे महारेरा की सेवाओं का लाभ नहीं उठा सकेंगे.इनमें से 3

विकासकर्ताओं ने किसी अपरिहार्य कारण से सुनवाई की तारीख बदलने का अनुरोध किया और उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया गया. बाकी डेवलपर की भी सुनवाई जल्द प्रस्तावित है.

अब से समाचार पत्रों में विज्ञापनों के अलावा, महारेरा विभिन्न सोशल मीडिया में आवास परियोजनाओं के विज्ञापनों की निगरानी भी करेगा और बिना पंजीकरण संख्या के विज्ञापन देने वाले डेवलपर्स के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. यह सुनिश्चित करने के लिए कि घर खरीदार और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश पूरी तरह से सुरक्षित है, सरकार ने रियल एस्टेट अधिनियम को लागू किया है और इस क्षेत्र के उचित नियमन के लिए महारेरा की स्थापना की है.

मुंबई पुलिस का 'ऑल आउट ऑपरेशन', ५१ जगहों पर छापेमारी, ३९० लोग गिरफ्तार, बदमाशों में हडकंप

मुंबई पुलिस ने मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात अपना नियमित 'ऑल आउट ऑपरेशन' (All Out Operation) चलाया और 390 लोगों को गिरफ्तार किया गया. सुरक्षा बढ़ाने के लिए शहर भर में नाकाबंदी की गई. FPJ में छपी एक खबर के अनुसार, 960 में से 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिन्हें फरार या पुलिस की वांछित अपराधियों की सूची में शामिल बताया गया है. कई आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

पुलिस ने कहा कि कम से कम 81 जिनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट था, उन्हें भी गिरफ्तार किया गया है. एनडीपीएस अधिनियम के तहत अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, खपत या कब्जे में शामिल होने के आरोप में 135 को गिरफ्तार किया गया. शहर भर में 51 जगहों पर छापेमारी तलवार, चाकू, चॉपर आदि अवैध और घातक हथियार ले जाने और रखने के आरोप में 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया. शहर भर में 51 जगहों पर छापेमारी की गई. पुलिस ने शहर भर में फैले 51 स्थानों पर भी छापेमारी की और 62 लोगों को शराब की अवैध बिक्री और जुए के आरोप में गिरफ्तार किया गया. 32 अभियुक्त, जिन्हें पहले पुलिस ने कानून बनाए रखने के लिए इलाके से बहार रखा था उसे भी गिरफ्तार किया गया. होटल, लॉज और मुसाफिरखाने की जांच 130 जगहों पर 31 लोगों को ढूंढ़कर गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने होटल, लॉज और मुसाफिरखाने सहित 542 जगहों की भी जांच की और 30 और आरोपियों को गिरफ्तार किया. मुंबई पुलिस की यातायात शाखा ने 76 स्थानों पर व्यापक नाकाबंदी की और मोटर वाहन अधिनियम के तहत 872 मोटर चालकों को दंडित किया, जबकि 17 चालकों को नशे में गाड़ी चलाने के लिए बुक किया गया. पुलिस की इस कार्रवाई से मुंबई के बदमाशों में हड़कंप मच गया है. मुंबई पुलिस ने कई मामलों में ये कार्रवाई कर गिरफ्तारी की है.

सावधान- 'डैंजर जोन' में भारत के ज्यादातर हिस्से, Covid-19 के दुष्प्रभाव: गंभीर संक्रमण के रहे हैं शिकार जानिए हीट स्ट्रोक के कारण और बचाव के तरीके



पुरा देश अप्रैल में ही गर्मी का सितम झेल रहा है, ज्यादातर हिस्सों में दिन का औसत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। गर्मी-धूप बढ़ने के साथ हीट स्ट्रोक का जोखिम भी बढ़ गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को इससे बचाव के उपाय करते रहने की आवश्यकता है, हीट स्ट्रोक कुछ स्थितियों में गंभीर और जानलेवा भी हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण उपजी परिस्थितयां साल-दर-साल खतरनाक होती जा रही हैं। 40 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती गर्मी और इसके दुष्प्रभावों को के लिए कैंब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा किए गए एक अध्ययन में गंभीर बातें सामने आईं हैं। इसमें शोधकर्ताओं ने भारत के 90 फीसदी से अधिक हिस्से को 'डैंजर ज़ोन' में चिन्हित किया है। विशेषरूप से दिल्ली में गर्मी-हीट स्ट्रोक के जोखिमों को लेकर लोगों

को अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। शोधकर्ताओं ने किया अलर्ट कैंब्रिज विश्वविद्यालय के अध्ययन के अनुसार हीटवेव न सिर्फ सेहत के लिए चुनौती खड़ी कर रहा है साथ ही इसका असर देश के सतत विकास पर भी देखा जा रहा है। हीटवेव ने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने की दिशा में भारत की प्रगति को बाधित किया है। पिछले पांच दशकों में हीटवेव के कारण 17

जानिए हीटवेव यानी लू के कारण हीट स्ट्रोक होने का जोखिम बढ़ जाता है। हीटस्ट्रोक को जानलेवा स्थिति माना जाता है, इसमें शरीर का तापमान १०४ डिग्री फ़ारेनहाइट (40 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर हो जाता है। आमतौर पर हमारा शरीर, पसीने के उत्पादन की मदद से शरीर के ताप को संतुलित रखता है, पर अत्यधिक गर्मी-धूप के कारण कई बार पसीने के तंत्र में बाधा आ जाती है जिसके कारण शरीर का तापमान



हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। अध्ययन के अनुसार चुनौती अब और भी गंभीर होती जा रही है। अगर जलवायु परिवर्तन की दिशा में कोई ठोस कदम न उठाए गए और हालात ऐसे ही जारी रहे तो यह भविष्य के लिए गंभीर संकट पैदा करने वाली स्थिति भी हो सकती है। हीटवेव-हीट स्ट्रोक के बारे में

काफी बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक की स्थिति में 104 डिग्री से अधिक बुखार होने, त्वचा में सूखापन और पसीना न होने, संतुलन की समस्या, चक्कर आने, हृदय गति बढ़ने, उल्टी-दस्त की दिक्कतें हो सकती हैं। कुछ लोगों में हीट स्ट्रोक ब्रेन डैमेज और मौत का भी कारण बन सकता है। हीट स्ट्रोक हो जाए तो क्या करें? यदि आप अधिक धप-गर्मी में रहते हैं और हीट स्ट्रोक जैसे लक्षण दिख रहे हैं तो तरंत किसी डॉक्टर से संपर्क करें। शरीर को ठंडा रखने का प्रयास करें, डलाज में भी इसपर विशेष ध्यान दिया जाता है। शरीर में पानी की कमी न होने दें, डिहाइड्रेशन आपके जोखिमों को बढ़ा सकता है। गर्दन, कमर और बगल में आइस पैक लगाएं। गर्मी के कारण होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के लिए ओआरएस का घोल या नमक-चीनी पानी का घोल थोड़ी-थोड़ी देर पर लेते हैं। इन उपायों से भी आराम न मिले तो अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है।

हीटवेव से बचाव जरूरी स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से गर्मी बढ़ रही है सभी लोगों को धूप से बचाव और शरीर को ठंडा रखने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए, ऐसा करके आप हीट-

दोपहर के समय घर से बाहर जाने से बचें।

स्ट्रोक से बच सकते हैं।

हल्के रंग के और ढीले कपड़े पहनें। पानी और अन्य स्वास्थ्यवर्धक तरल पदार्थीं का सेवन करते रहें। बच्चों और पालतू जानवरों को बंद, गर्म स्थानों जैसे कारों में कभी न

दिन के समय धूप में बाहर निकलने से बचें, अगर जरूरत पड़ रही है तो शरीर के अच्छे से कवर करके

तो हो जाएं अलर्ट, तुरंत चेक करिए अपने दिल की धड़कन धडकन 100 से अधिक हो सकती है। इसके कारण



कोरोना संक्रमण ने शरीर को कई कार्डियोलॉजी (ईएससी) के प्रकार से प्रभावित किया है। वैज्ञानिक सम्मेलन में प्रस्तुत इस शोध के अनुसार, कोविड-19 के संक्रमण के दौरान होने वाली गंभीर लक्षण वाले रोगियों में उसी जटिलताओं के अलावा पोस्ट कोविड सिंडोंम में लोगों को कई दौरान के हल्के लक्षण वाले रोगियों तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हुईं। की तुलना में हृदय के गंभीर रोगों डॉक्टर्स कहते हैं, संक्रमण का का खतरा अधिक देखा गया है। सबसे ज्यादा असर जिन अंगों पर हृदय के ये रोग कई रोगियों के लिए देखा गया है उनमें हृदय-फेफड़े जानलेवा भी साबित हुए हैं। शीर्ष पर हैं। लॉन्ग कोविड वाले कई वेंट्रीकुलर टैकीकार्डिया के बारे में लोगों में इससे संबंधित जटिलाएं जानिए अध्ययन के बारे में जानने एक साल तक भी बनी रह सकती से पहले यहां ये समझ लेना जरूरी हैं। इससे संबंधित हालिया शोध में है कि आखिर वेंट्रीकुलर भी विशेषज्ञों ने एक बार फिर से टैकीकार्डिया क्या बीमारी है? कोविड-19 के कारण बढ़ती हृदय डॉक्टर्स बताते हैं, यह समस्या की दिक्कतों को लेकर अलर्ट किया असल में हार्ट के रिदम यानी दिल है। अध्ययन में पाया गया है कि के धड़कने से संबंधित है। हार्ट के जिन लोगों में गंभीर कोविड-19 रोग निचले कक्षों (वेंट्रिकल्स) में रह चुका है, उनमें छह महीने के अनियमित विद्युत संकेतों के कारण भीतर वेंद्रीकुलर टैकीकार्डिया यह बीमारी होती है। एक स्वस्थ नामक हृदय की बीमारी का हृदय आमतौर पर रेस्ट के समय जोखिम 16 गुना से अधिक बढ़ गया एक मिनट में 60 से 100 बार है। यूरोपियन सोसाइटी ऑफ धड़कता है जबकि इस बीमारी में

हार्ट अटैक भी हो सकता है। कोविड-19 का हृदय पर दष्प्रभाव कोविड-19 के बढ़ने वेंट्रीकुलर टैकीकार्डिया की समस्या के बारे में जानने के लिए किए गए इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने 3,023 रोगियों को शामिल किया, ये सभी कोविड-19 के गंभीर रोग के शिकार रह चुके थे। इनमें से अधिकतर को संक्रमण के दौरान आईसीय या

हुई थी। प्रतिभागियों की औसत आय 62 वर्ष थी और इसमें 30 फीसदी महिलाएं थीं। अध्ययनों में इस बात पर भी जोर दिया जाता रहा है कि हृदय रोगों का खतरा पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक होता है। अध्ययन में क्या पता चला? करीब नौ महीने तक इन प्रतिभागियों की सेहत का फॉलोअप किया गया। जिसके आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि कोविड-19 के हल्के लक्षणों के शिकार लोगों की तुलना में गंभीर रोग वालों में वेंद्रीकुलर टैकीकार्डिया की समस्या विकसित होने का जोखिम 16 फीसदी अधिक पाया गया। वहीं एट्रियल फाइब्रिलेशन का जोखिम 13

फिर वेंटिलेटर पर रखने की जरूरत



इंप्लांटेशन का जोखिम 9 गुना तक अधिक देखा गया। एट्रियल फिब्रिलेशन अनियमित दिल की धड़कन की स्थिति है जिसके कारण ब्लड क्लॉटिंग का खतरा बढ़ जाता है, वहीं ब्रैडीकार्डिया, दिल के धड़कनों के सामान्य से कम होने की स्थिति है। ये सभी स्थितियां गंभीर रोगों का कारण बन सकती हैं। क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

अध्ययन के निष्कर्ष में प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक डॉ. मार्कस स्टालबर्ग कहते हैं, कोविड-19 के जिन रोगियों को वेंटिलेटर की आवश्यकता हुई थी, उनमें अक्सर हृदय रोगों की जटिलताएं अधिक देखी जा रही हैं। ऐसे लोग जो गंभीर कोविड के शिकार रह चुके हैं, उन्हें ठीक होने के बाद दिल की धड़कनों की जांच जरूर करानी चाहिए।

कुछ हल्के लक्षण वालों में भी लॉन्ग कोविड में हार्ट की समस्याएं विकसित होती देखी गई हैं। ऐसे में संक्रमण से ठीक होने के बाद एक बार एहतियातन हृदय की जांच जरूर करा लें। हृदय रोगों के मामले किसी भी उम्र वालों में हो सकते हैं।

इस बार लिवर की जांच और फैटी लिवर से बचाव पर जोर, ऐसे रखें अपने लिवर को स्वस्थ ज्यादातर लोगों में अक्सर तब तक



आज वर्ल्ड लिवर डे है, वैश्विक स्तर पर बढ़ती लिवर की बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 19 अप्रैल को यह मनाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र के लोग लिवर की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, यह

बढ़ाती है साथ ही जीवन की गुणवत्ता पर भी इसका असर हो सकता है। फैटी लिवर की समस्या ऐसी ही एक बीमारी है जिसके रोगियों की संख्या काफी तेजी से बढ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि लिवर में फैट के जमाव के कारण होने वाली यह बीमारी लगभग 25 फीसदी युवाओं को हो सकती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए साल 2023 के वर्ल्ड लिवर डे का थीम रखा गया है- "Be Vigilant, Do Regular Liver Check-Up, Fatty Liver Can Affect Anyone." इसका मतलब

न सिर्फ शारीरिक समस्याओं को है- "सतर्क रहिए और नियमित रूप से लिवर चेक-अप कराइए, फैटी लिवर डिजीज किसी को भी प्रभावित कर सकता है।" आइए जानते हैं कि फैटी लिवर की समस्या की जांच और इस बीमारी से बचाव कैसे किया जा सकता है? बढ़ रहे हैं लिवर रोग के मामले

इस वर्ष 2023 के विश्व लिवर दिवस का थीम नियमित लिवर चेक-अप पर जोर देने पर केंद्रित है। मोटापा (अधिक वजन), इंसुलिन प्रतिरोध (मधुमेह) और शराब के सेवन के कारण लिवर की समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि भारत में हाल के अध्ययनों से पता चला है कि नॉन



अल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज के 75% मामले लो बॉडी मास इंडेक्स वाले रोगियों में देखे गए हैं। विश्व स्तर पर लगभग 20 लाख

रोगियों की प्रति वर्ष लिवर की बीमारियों के कारण मौत हो जाती है। आइए जानते हैं कि फैटी लिवर की पहचान कैसे करें और इसकी

जांच कैसे की जाती है? फैटी लिवर की समस्या और लक्षण

फैटी लिवर की बीमारी, लिवर में अतिरिक्त वसा के जमा होने के कारण होती है। यह दो तरह का हो सकता है- फैटी लिवर डीजीज और नॉन अल्कोहॉलिक फैटी लिवर (एनएएफएलडी)। शराब

का सेवन न करने वालों को भी फैटी लिवर की दिक्कत हो

सकती है। <u>फैटी लिवर की समस्या वाले</u>

कि रोग, लिवर में काफी बढ़ नहीं जाता है। इस स्थिति में कई प्रकार की दिक्कतें हो सकती हैं। पेट में दर्द या पेट के ऊपरी दाहिने

कोई लक्षण नहीं दिखते जब तक

फीसदी और ब्रैडीकार्डिया/पेसमेकर

हिस्से में भारीपन महसूस होना। मतली, भुख न लगना या वजन कम होना।

पीली त्वचा (पीलिया)। पेट में सूजन और पैर में सूजन (एडिमा)।

अत्यधिक थकान या कमजोरी होना। लिवर की जांच डॉक्टर की सलाह पर फुल बॉडी चेकअप में सेकामकररहाहैयानहीं। लिवर की जांच कराते रहना आपको

भविष्य में इससे संबंधित बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकता है। ये टेस्ट लिवर की समस्याओं का पता लगाने में मदद करते हैं।

सीरम बिलीरुबिन टेस्टः यह परीक्षण रक्त में बिलीरुबिन के स्तर को मापता है। सीरम एल्बुमिन टेस्टः इस टेस्ट का उपयोग एल्ब्युमिन (रक्त में एक प्रकार के प्रोटीन) के स्तर को मापने के लिए किया जाता है और लिवर रोगों के निदान में सहायक है। लिवर फंक्शन टेस्टः इसके माध्यम से जाना जा सकता है कि लिवर ठीक



साप्ताहिक राशि भविष्यफल





मेष राशि : इस सप्ताह आपको आशाजनक समाचार ज्ञात होंगे। आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। आपका आत्मविश्वास समस्याओं से बाहर निकलने में मदद करेगा। पुरानी समस्याओं से जल्द ही बाहर निकलेंगे और शनिवार से समय आपके पक्ष में होगा। ।



वृषभ राशिः अत्यधिक कार्य, अनावश्यक तनाव बढ़ाने वाला हो सकता है। स्वयं पर भरोसा रखना ज्यादा श्रेयस्कर होगा। आपको अपने लक्ष्य को पाने में कठिनाई होगी और घरेलू विवाद भी बढ़ सकते हैं। रुका हुआ धन वापस मिलने के योग हैं। सप्ताह के अंत तक आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी एवं संतान से सहयोग प्राप्त होगा।



मिथुन राशि : इस सप्ताह भाग्य आपका साथ देगा और योजनाएं सफल होंगी। आपकी अपेक्षाएं पूर्ण होंगी एवं सुखदायक यात्राएं हो सकती है। आपकी आय अच्छी बनी रहेगी। मंगल एवं बुधवार को कार्य की अधिकता होगी। पिता से सहयोग प्राप्त होगा। अटके हुए धन की प्राप्ति होगी। ऋण की समस्याएं समाप्त होंगी। वर्कप्लेस पर सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा।



कर्क राशि : सप्ताह के आरंभ में वैचारिक अस्थिरता रहेगी एवं शुभचिंतकों के प्रति संशय हो सकता है। चंद्र की स्थिति मंगल एवं बुधवार से सुधार करेगी एवं संयम का विकास होने के साथ ही वित्तीय सुधार होंगे। परिवार के लिए समय निकालने में कठिनाई होगी। अनअपेक्षित लोगों से सहयोग लेना पड़ सकता है। गुरु एवं शुक्रवार को व्यस्तता अधिक रहेगी।



सिंह राशि : उपेक्षा करने वाले भी समर्थन करेंगे एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। वित्तीय मामलों में बड़ी सफलता प्राप्त होगी एवं स्थायी संपत्ति को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं सम्मान प्राप्त होगा। मंगल एवं बुधवार को चिंताएं बढ़ेंगी एवं व्यय की अधिकता होगी। निकट के लोग भी दूर जा सकते हैं।



कन्या राशि : रवि एवं सोमवार अजीब सी स्थिति में रहेंगी। विरोधी हावी होने का प्रयास करेंगे। कार्य मे मन नहीं लगेगा एवं नकारात्मकता हावी रहेगी। षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। मंगल एवं बुधवार को अच्छे दिन रहेंगे।आय बढेगी एवं योजनाएं सफल होंगी। मित्रों से मदद मिलेगी। गुरु एवं शुक्रवार को पुनः समस्याएं आ सकती हैं। कुछ बेकार की बातें परेशान कर सकती हैं। आय कमजोर रहेगी एवं ऋण लेने की आवश्यकता हो सकती है।



तुला राशि : संतान से सहयोग प्राप्त होगा। अति उत्तम समय सभी ओर विजय एवं यश की प्राप्ति कराएगा। मंगल एवं बुधवार को कोई विरोध विचारों को कुंठित कर सकता है। प्रहों का सहयोग राजोचित सम्मान भी दिलाएगा।वाहन एवं अन्य सुखों को प्राप्त करेगें। गुरु एवं शुक्रवार को बेहतर समय रहेगा। आय की प्राप्ति होगी।



वृश्चिक राशि : आपके लिए समय उतार- चढ़ाव भरा हो सकता है। पूर्व में किए निर्णय पर पछतावा होगा। आपको अनावश्यक समस्याएं आ सकती है। आपके बुद्धिमता पूर्ण कार्यों में कोई बराबरी नहीं कर पाएगा एवं एक साथ कई सफलता को प्राप्त करने का समय है। गुरु एवं शुक्रवार को विरोधी हावी होने का प्रयास करेंगे।



धनु राशि : आपका पराक्रम श्रेष्ठ बना रहेगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ रहेगा। कार्यों में सफलता की प्राप्ति होगी। समस्याओं का निदान होगा। मंगल एवं बुधवार को घरेलू मामलों में परेशानी आएगी एवं दूसरों के हित के लिए किया गया कार्य भी विरोध उत्पन्न करेगा। आपको निर्णयों में बदलाव करना पड़ सकता है।



एवं बुधवार को समय आपके पक्ष में रहेगा। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा एवं आय में वृद्धि होगी। शुक्र एवं शनिवार को मामूली तनाव रह सकता है। कुंभ राशि ः शनि एवं चंद्र की युति से बेहतरीन अवसरों की प्राप्ति होगी। यह योग सरकारी

मकर राशि : इस सप्ताह आपका संघर्ष समाप्त होगा एवं परिवार के साथ मनोरंजन में समय

व्यतीत होगा। आपको मित्रों से भी सहयोग प्राप्त होगा एवं नए कार्यों की भी प्राप्ति होगी। मंगल



कार्यों में सफलता एवं प्रभाव में वृद्धि करने वाला होगा। समकक्षों में श्रेष्ठ रहेंगें एवं बात मनवाने में सफल होंगें। कार्यों का विस्तार संभव हैं। दान आदि देने में या दूसरों की सहायता करने में उदार हो सकते है। मंगल एवं बुधवार को स्थाई सपंत्ति से लाभ के आसार बनेंगे।



मीन राशि : द्वादश चंद्र सप्ताहारंभ में कठिनाई उत्पन्न कर सकता है। आपकी आय में कमी और व्यय में अधिकता हो सकती है। अनावश्यक तनाव बढ़ेगा एवं आय की कमी रहेगी। चिंताएं भी रह सकती हैं। मंगल एवं बुधवार को कार्यों में गति आएगी तथा वित्तिय सुधार होगा। विचारों में उत्तेजना रहेगी एवं व्यवस्था के साथ स्वभाव के अनुसार समायोजन कर लेंगे। गुरु एवं शुक्रवार को सहयोग प्राप्त होगा। आय बढ़ेगी एवं चिंताएं समाप्त होंगी।





पप्पू- यार कुछ पैसे उधार दे दे। गप्पू- क्या हुआ यार सब ठीक ठाक

पप्पू-बीवी की उधार चुकानी है। गप्पू-मतलब

पप्पू- मुसीबत में भी बीवी से कभी पैसे उधार लिए थे। लेकिन अब समझ आ गया कि कभी भी बीवी से पैसे उधार नहीं लेने चाहिए।

मैंने दो साल पहले 30 हजार लिए थे! 50 हजार दे चुका हूं, अभी भी 30 बाकी हैं, पता नहीं कौन सा हिसाब लगाती हैं।



पप्पू- चायपत्ती और पति में क्या समानता है जानते हो? गप्पू-नहीं...तुमही बताओ....

पप्पू- दोनों के ही भाग्य में 'जलना' और 'उबलना' लिखा है। और वो भी औरतों के हाथों....

पप्पू की बात सुनकर गप्पू जोर-जोर से ठहाके लगाने लगा।

गोधरा कांड में उम्रकैद की सजा काट रहे आठ दोषियों को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत



गुजरात के गोधरा में 2002 में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आठ दोषियों को जमानत दे दी। सभी दोषी उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। सभी दोषी 17 से 20 साल की सजा काट चुके हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मामले में कुछ दोषियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इन दोषियों में वह आरोपी शामिल थे, जिन्हें निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी, लेकिन गुजरात हाईकोर्ट ने इसे उम्रकैद में बदल दिया था।

निचली अदालत ने 11 दोषियों को मौत की सजा, जबकि 20 अन्य को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। गुजरात हाईकोर्ट ने इस मामले में मौत की सजा को कम करते हुए 31 की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था। इनमें से कुछ ने अपनी दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ अपनी अपीलों के निस्तारण तक जमानत के लिए सप्रीम कोर्ट का रुख किया था। 27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आगजनी के चलते 59 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य में सांप्रदायिक हिंसा भड़क हुई थी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कही थी यह बात चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा था कि मृत्युदंड को उम्रकैद में बदलने के खिलाफ राज्य सरकार की अपील के अलावा दोषियों की जमानत याचिकाओं से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए भेद करने की आवश्यकता थी। अभी वह उन लोगों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर रहा है जिन्हें निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। गुजरात सरकार ने दिया था ये तर्क गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई की शुरुआत में कहा कि हम उन दोषियों को मौत की सजा देने के लिए गंभीरता से दबाव डालेंगे, जिनकी मौत की सजा को हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास में बदल दिया। यह दुर्लभ से दुर्लभ मामला है जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत 59 लोग जिंदा जल गए। हर जगह यही कहा गया कि बोगी (कोच) पर बाहर से ताला लगा हुआ था। यह केवल पथराव का सामान्य मामला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 24 मार्च को कहा था कि वह मामले की सुनवाई की अगली तारीख पर दोषियों की जमानत याचिकाओं का निस्तारण करेगी।

केमेक्सिल के 47वें निर्यात पुरस्कार समारोह का आयोजन, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने बढ़ाई समारोह की गरिमा

केमेक्सिल (केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारास्थापित बेसिक केमिकल्स, कॉस्मेटिक्स एंड डाइज़ एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल) के 47 वें निर्यातपुरस्कार समारोह में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल भी शामिलहई और इस तरह उन्हांेने पुरस्कार समारोह की गरिमा को बढ़ाया।केमेक्सिल ने वित्त वर्ष 23 के लिए ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक रसायन क्षेत्र के 30 अरब अमेरिकीडॉलर के निर्यात को पार कर लिया है, जिसमें से 27 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात अप्रैल 2022से फरवरी 2023 तक हासिल किया गया। केमेक्सिल ने उभरते हए बाजारों में निर्यात पर ध्यानकेंद्रित करने का निर्णय किया है। इसने रिन्यूएबल कैमिकल्स को नाम दिया 'ग्रीन केमिकल्स',साथ ही, जैव आधारित स्पेशिलिटी कैमिकल्स और रिन्यूएबल कैमिकल्स के तौर पर भी पहचानप्रदान की है।केमेक्सिल के अध्यक्ष श्री एस जी मोकाशी ने परिषद की बैठक के अवसर पर इन महत्वपूर्णनिर्णयों की जानकारी दी। इस मौके पर सम्मानित अतिथि के तौर पर केंद्रीय वाणिज्य औरउद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहीं। साथ ही, पद्म भूषण प्रोफेसर एम. एम.शर्मा; उपाध्यक्ष श्री अभय उदेशी; पूर्व अध्यक्ष, श्री अजय कडाकिया; डॉ. सतीश वाघ,

केमिकल पैनलके अध्यक्ष; श्री एस.जी भरादी, एक्जीक्युटिव डायरेक्टर; काउंसिल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (सीओए) केसम्मानित सदस्य, सम्मानित परस्कार विजेता, व्यापार और उद्योग के अग्रणी लोग भी शामिलहुए।केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने इस अवसर पर कहा, ''यहवास्तव में बहुत ख़ुशी की बात कि केमेक्सिल कैमिकल्स, डाई और डाई इंटरमीडिएट्स,कॉस्मेटिक्स,

केस्टर ऑयल और स्पेशिलिटी कैमिकल्स आदि के उत्कृष्ट निर्यातकों को सम्मानितकरने के लिए 47वें निर्यात पुरस्कार समारोह का आयोजन कर रहा है। केमेक्सिल निर्यात उन्मुखनीतियों के निर्माण में उद्योग और भारत सरकार के साथ विचार-विमर्श के लिहाज से एकमहत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और रसायनों के निर्यात को बढ़ाने के लिए निर्यात अनुकूल वातावरणबनाता है। इस तेजी से बदलती दनिया में आगे अनेक चुनौतियां हैं और सरकार से निरंतर नीतिसमर्थन के साथ, परिषद और उद्यमी निर्यातक समुदाय निश्चित रूप से कायम रहेंगे और निर्यातवृद्धि की इस बढ़ी हुई गति को भी पार करेंगे।''इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी औरअपने सदस्यों की सफलता के लिए केमेक्सिल को भी

(2017 - 18, 2018 - 19) 2023, HOTEL SAHARA STAR

शुभकामनाएं प्रदान की।31 मार्च 2023 को, माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल और माननीयकेंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने नई विदेश व्यापार नीति 2023जारी की थी।

नई विदेश व्यापार नीति को बेहद प्रगतिशील माना गया है और इसे उद्योग कीजरूरतों को पूरा करने के लिए संशोधन करने के लिहाज से भी खुला रखा गया है।माननीय कंेदीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने एक संदेश में कहा, ''माननीयप्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत बेसिक कैमिकल्स, डाई और डाईइंटरमीडिएट्स, कॉस्मेटिक्स, एग्रोकैमिकल्स, केस्टर ऑयल, कैमिकल्स और पेट्रोकैमिकल्स के क्षेत्र मेंएक प्रतिष्ठित

विश्वसनीय निर्माता और एक अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है।रसायन और पेट्रो रसायन क्षेत्र में भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलने की क्षमता

यह माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद मोदी के विश्व के लिए मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूपहै। मुझे विश्वास है कि केमेक्सिल निर्यात को प्रोत्साहित करने और अतीत में प्राप्त निर्यात वृद्धिको पार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने में एक प्रेरक के रूप में कार्य करना जारीरखेगा। मैं निर्यातकों से आग्रह करता हूं कि वे अपने उत्पादन को बढ़ाकर और घरेलू और वैश्विकबाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी उत्पाद रेंज में विविधता लाकर उभरते हए व्यावसायिकअवसरों का उपयोग करें। मैं सभी पुरस्कार विजेताओं को हमारे समग्र निर्यात को बढावा देने मेंउनके बेहतर और मजबूत प्रयासों के लिए बधाई देता हं और केमेक्सिल के लिए उसके भविष्य केप्रयासों में सफलता की कामना करता हूं।''केमेक्सिल के चेयरमैन श्री एस. जी. मोकाशी ने कहा, ''केमेक्सिल ने नई विदेश व्यापार नीति कास्वागत किया है, जो व्यापार को और अधिक सुविधाजनक बनाने, विनिर्माण को बढ़ावा देने, निर्यातको बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यापार करने में आसानी को भी संभव बनाने के लिहाज से महत्वपूर्णहै। साथ ही, इसे भारतीय रुपये को ग्लोबल करेंसी बनाने और वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में भारतके उभरने की दिष्ट से भी तैयार किया गया है।''उन्होंने आगे कहा, ''नीति ने

जिलास्तर पर एक इंस्टीट्यश्चनल मैकेनिज्म बनाने के लिए भी पहल की है, जो एमएसएमई को बढ़ावादेने और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में रोजगार के सुजन में मदद करेगा। आज हमारा देश दुनियाभर की कंपनियों के लिए पसंदीदा मैन्यूफेक्चरिंग डेस्टिनेशन बनगया है।

महामारी के दौरानसप्लाई चेन के लिहाज से आए बदलाव ने वास्तव में विश्व बाजार में भारतीय आपूर्तिकर्ता के लिएदरवाजे खोल दिए हैं।"श्री मोकाशी ने आगे कहा, ''हरित विकास इस वर्ष के केंद्रीय बजट में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सेएक है। हरित ईंधन, हरित ऊर्जा महत्वपूर्ण घटकों में से एक है। मैं यहां यह भी कहना चाह्ंगा किजैव आधारित विशेष रसायन और नवीकरणीय रसायन में उत्कृष्ट विकास की संभावनाओंे केसाथ भारत का भविष्य नजर आ रहा है। घटते जीवाश्म ईंधन और बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनजैव सामग्री की आवश्यकता को बढा रहे हैं। पर्यावरण की सुरक्षा और बढ़ती मांग को देखते हुए,ग्रीन केमिकल्स नामक नवीकरणीय रसायनों की अवधारणा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यहअवधारणा फूड प्रोसेसिंग, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, निर्माण और कोटिंग क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारीहासिल कर रही है। केमेक्सिल के सदस्य भी इन दिशाओं में काम कर रहे हैं।''मुंबई प्रतिनिधी रमाकांत मुंडे

उमेश शुक्ला का नेकस्ट प्रोजेक्ट !पुलिस आयुक्त विवेक फनसलकर ने डॉ. अमर कुमार पांडे की पुस्तक ए डॉन्स नेमेसिस लॉन्च की, निमार्ता राकेश डांग और निर्देशक उमेश शुक्ला ने स्क्रीन के लिए पुस्तक के रूपांतर की घोषणा की!

'ए डॉन्स नेमेसिस' डॉ. अमर कुमार पांडे की लिखी किताब है, जिसमें डॉन रवि पुजारी का पीछा करने और उसकी गिरफ्तारी के दौरान आये अनुभवों का विवरण है। एक आईपीएस अधिकारी द्वारा संचालित एक लंबा ग्लोबल मिशन और एक स्मार्ट, सुनियोजित गिरफ्तारी! डॉ अमर कुमार पांडे एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और कर्नाटक राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक हैं, जिन्हें अपने काम और सेवाओं के लिए जाना जाता है। डॉ पांडे ने अपने एक प्रमुख ऑपरेशन, कुख्यात डॉन रवि पुजारी की गिरफ्तारी के बारे में लिखी दूसरी पुस्तक को लॉन्च किया। 'ए डॉन्स नेमेसिस' नामक इस किताब का विमोचन पुलिस, आम नागरिक, प्रेस और फिल्म उद्योग के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस

आयुक्त विवेक फनसलकर थे। यह पुस्तक में डॉ. अमर कुमार पांडे द्वारा डॉन रवि पुजारी की खोज के लिए दुनिया भर में चलाये अभियान औत और अंत में पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल उसका पता लगाकर और पहचान कर के, अंततः गिरफ्तारी और भारत में प्रत्यर्पित करने की कहानी है। यह डॉन छब्बीस साल से भूमिगत था, लेकिन उसकी देश भर में गंभीर आपराधिक गतिविधियां जारी थीं। इस पुस्तक के भव्य लॉन्च

के बारे में बात करते हुए, डॉ. अमर

कुमार पांडे ने कहा, "ए डॉन्स नेमेसिस, डॉन रवि पुजारी को भारत के कानून के शिकंजे में कसने और उसे राष्ट्र के नागरिकों के प्रति जवाबदेह होने के लिए मजबूर करने की गाथा है। एक पुलिस अधिकारी के रूप में मेरे सम्पूर्ण सेवा काल में यह एक महत्वपूर्ण मामला था और मुझे लगता है कि इस पूरे अभियान को प्रत्येक भारतीय को जानना ज़रूरी है ताकि वे भारतीय पुलिस अधिकारियों के द्वारा की जाने वाली मेहनत को जान सकें और उनका इस

बात में विश्वास और दृढ़ हो जाए कि हर अपराधी न्याय के कटघरे तक लाया जाएगा।" इस लॉन्च के भव्य अवसर पर निर्देशक और निर्माता उमेश शुक्ला (मेरी गो राउंड स्टुडियोज) ने इस रोमांचकारी कहानी पर एक प्रोजेक्ट की घोषणा की। इसके बारे में बात करते हए वे कहते हैं "ए डॉन्स नेमेसिस डॉ अमर कुमार पांडे की एक इनसाईटफुल जर्नी है, और मुझे लगता है कि यह एक ऐसी कहानी है जिसके बारे में हर भारतीय को पता होना चाहिए। यह

प्रेरणादायी है और हमारे भारतीय पुलिस बल के समर्पण को दर्शाता है कि किसी भी कीमत पर न्याय मिलना ही चाहिए।" उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और मधुकर वर्मा के साथ निर्माता राकेश डांग (सीता फिल्म्स एंड टीवी प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड) संयुक्त रूप से इस प्रोजेक्ट में होंगे। वे कहते हैं, "हम डॉ. अमर कुमार पांडे की प्रेरणादायक कहानी को जनता तक ले जाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। . इसका एडाप्टेशन अभी प्री-प्रोडक्शन चरण में है और हम जल्द ही इसके बारे में अधिक विवरण की घोषणा करेंगे। इस प्रोजेक्ट को मेरी गो राउंड स्ट्रडियोज और सीता फिल्म्स एंड प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के राकेश दाग, उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और मधुकर वर्मा प्रोड्स करेंगे हम आनेवाले दिनों मैं इस प्रोजेक्ट क बारे मैं अधिक जानकारी देंगे

लेस्ली मार्टिन का नया अलबम 'दिलवाले मरते हैं' और 'पुरानी बातें' लॉन्च

चिन्हित उत्पादों और सेवाओं को

बढ़ावा देने के लिए राज्य और

मुम्बई। लेस्ली मार्टिन एक देशभक्त पूर्व सैनिक और संगीत प्रेमी हैं और भारतीय मूल के गायक हैं। सेना में रहते हुए उन्होंने 1971 की लड़ाई लड़ी है। वे एक बेहतरीन मुक्केबाज (बॉक्सर) भी हैं। लेस्ली कनाडा में जाकर रहने लगे थे मगर संगीत के प्रति उनके जुनून और उनके दोस्तों के प्रोत्साहन ने उन्हें वापस भारत में खींच लाया। वह अक्सर भारत आते हैं और अलबम का निर्माण करते हैं जिसमें वह गायकी के साथ साथ अभिनय भी करते हैं।बतौर गायक, अभिनेता और निर्माता लेस्ली मार्टिन ने दो गीत 'दिलवाले मरते हैं' और 'पुरानी बातें' रिलीज़ किया है जो कि एल एम यूनिवर्सल की प्रस्तुति है। दोनों गाने के वीडियो में लेस्ली मार्टिन के साथ पूजा सिंह, सोफिया और गंगा अधिकारी ने अभिनय किया है।

वहीं प्रसिद्ध संगीतकार तबुन सूत्रधार ने शानदार अंदाज़ में अलबम को संगीत से सजाया है। जबिक गाने के वीडियो डायरेक्टर शंकर रेगर हैं तथा गीत को रवि बसनेट ने लिखा है। वहीं रैपर डीजी गोगोई और निर्माता और गायक लेस्ली मार्टिन हैं। ये गीत युवाओं सहित सभी श्रोताओं को बेहद पसंद आएगा।दोनों गानों को लॉन्च करते



हुए लेस्ली ने कहा कि भले ही तबुन दा इस दनिया को छोड़कर चले गए मगर संगीत के रूप में उनकी स्मृति सदैव रहेगी। उन्होंने मुझसे खूब रिहर्सल कराया। मैं कनाडा में रहता हूँ लेकिन भारत आकर एक कलाकार के रूप में काम करना अच्छा लगता है।

यहाँ तकनीशियन से लेकर पूरी टीम का भरपुर सहयोग मिलता है। मैं एक सैन्य अधिकारी रहा हूँ लेकिन मुझे गाने का शौक है। आगे और भी गाने गाऊंगा और लोग मुझे वीडियो में भी देखेंगे।वीडियो निर्देशक शंकर रेगर ने बताया कि कोरोना काल में दौरान लॉकडाउन के पहले स्वर्गीय तबुन दा ने लेस्ली सर से मेरा परिचय कराया और कहा कि इनके साथ वीडियो करना है। फिर हमने साथ में शूटिंग किये और ट्यूनिंग बन गई। फिर कोरोना के बाद लेस्ली जी के दो गाने

और डायरेक्ट किया। इन दोनों गानों की शृटिंग मुम्बई के पोट्टार कॉलेज और मनोरी में की गई है। लेस्ली अनुशासन का पालन करने वाले इंसान हैं लेकिन काम के समय सहजता और सरलता से पेश आते हैं। आपको बता दें कि लेस्ली मार्टिन ने कई गानों के साथ साथ अच्छी योजना बना रखी है। वे इकहत्तर वर्ष की उम्र में भी बेहद जिन्दादिल और खुशमिजाज हैं। उनका मानना है कि इंसान को हर हाल में प्रसन्न रहना चाहिए और संगीत तनावमुक्त जीवन जीने में सहायक होता है इसमें उम्र का कोई असर नहीं होता। उनके जीवन का उद्देश्य है कि संगीत के इस असीम जादू को सभी तक पहुंचाए जिससे लोगों को अपने जीवन में तनाव से मुक्ति मिले उन्हें सुकून और खुशी की प्राप्ति हो।-संतोष साह्

30,000 से ज्यादा बीएमसी विद्यार्थियों ने किडजानिया मुम्बई में अनुभव से सीखने का आनंद लिया

मुम्बई, 17 अप्रैल 2023: किडज़ानिया मुम्बई में आकर बृहन्नमुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) के स्कूलों के विद्यार्थियों ने यादगार अनुभवों का आनंद लिया। 27 वार्डों के 30,000 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने मौज मस्ती करते हुए कुछ नया सीखने का मौका पाया जिसमें पायलट बनना, चीज़ मेकर बनना और सर्जन बनने से लेकर फैशन बुटीक चलाने तक तमाम गतिविधियां शामिल थीं। यह सब इन बच्चों ने किडज़ानिया के खास सिमुलेशन पार्क में सीखा।

जीवन में पहली बार मिले इस अवसर से विद्यार्थी अनुभव द्वारा सीखने की पद्धति से रूबरू हुए। अकादिमक वर्ष 2022-23 में, कक्षा 4 से कक्षा 7 के विद्यार्थियों के लिए इस कार्यक्रम की योजना बनाई गई थी। यहां आकर बच्चों ने व्यवसाय आधारित भूमिकाओं को निभाकर उनके बारे में और अधिक जाना, इस तरह उन्हें अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता को संवारने तथा निर्णय लेने के कौशल



को विकसित करने का बेहतरीन मौका

बीएमसी अधिकारी सुश्री आशा मोरे ने कहा, "िकडज़ानिया मुंबई के सहयोग से तीसरी बार यह कार्यक्रम आयोजित करते हुए हम बहुत खुश हैं। यह देखना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है की 30,000 से भी ज्यादा विद्यार्थियों को मौका मिला है की जो व्यवसाय वे बड़े होकर अपनाने का सपना देखते हैं वे वास्तविक रूप में उसका अनुभव कर पाए। हम नहीं चाहते की हमारे स्कूलों के बच्चे सिर्फ किताबी शिक्षा तक ही सीमित रहें। किडज़ानिया एक ऐसी जगह है जहां शिक्षा व मनोरंजन का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है जिससे बच्चों को किताबों से परे जाकर अनुभव करके सीखने को मिलता है। आने वाले वर्षों में

हम ऐसे और भी आयोजन करेंगे।" किडज़ानिया का फलसफा है 'एक बेहतर दुनिया के लिए तैयार हो जाईए' जो इस बात का परिचायक है की वे बच्चों को दिलचस्प और अनुभवजन्य तरीके से सिखाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे की आगे चलकर समाज पर सकारात्मक असर डालने के लिए तैयार हो सकें। किडज़ानिया की एक दिन की यह यात्रा इन बच्चों के लिए एक उपयुक्त अवसर बनी जिसमें वे अपने समक्ष मौजूद संभावनाओं से रूबरू हो सके। उन्होंने मौज-मस्ती के साथ महत्वपूर्ण कौशल सीखे, बच्चों के चहुंमुखी विकास का इससे अच्छा तरीका और भला क्या हो सकता है।

इस कार्यक्रम के दौरान शिक्षा अधिकारी डॉ राजेश कनकल ने कहा, "मैं श्री राहल धमधेरे, श्री सूरज सिन्हा और उनकी टीम को धन्यवाद देता हूं की उन्होंने इतने रचनात्मक ढंग से विद्यार्थियों और शिक्षकों को बेहतरीन अनुभव दिया, विद्यार्थियों के लिए तो विशेषकर यह अनुभव इतना मूल्यवान रहा क्योंकि इससे उन्हें अपने इच्छित करियर के बारे में करीब से जानने को मिला। किडज़ानिया में कौशल विकास और कौशल की जागरुकता पर ध्यान दिया जाता है, जिन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भी बढ़ावा दिया गया है। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को व्यापार एवं व्यवसाय कौशल, जीवन कौशल, सॉफ्ट स्किल, वित्तीय कौशल से परिचित कराया। खानपान व सुरक्षा आदि पहलुओं पर भी बच्चों का पूरा ख्याल रखा गया और सभी ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया। बच्चों के लिए यह पूरी ट्रिप बहुत अच्छी तरह आयोजित की गई और इससे बच्चों को यादगार अनुभव मिला, अनुभवजन्य और गतिविधि आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों का परिचय हुआ। शिक्षकों का आग्रह है की किडज़ानिया के लिए ऐसी ही और यात्राओं का आयोजन किया जाए।" किडज़ानिया इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री राहुल धमधेरे ने कहा, "हम बीएमसी के आभारी हैं की उन्होंने किडज़ानिया पर भरोसा किया। इस स्कूल ट्रिप से हमें शहर के म्यूनिसिपल स्कूलों के विद्यार्थियों की मेज़बानी करने का एक और मौका मिला। किडज़ानिया आकर इन बच्चों की कल्पनाओं को नए पंख मिले और उन्होंने उन कौशलों को जाना जो जीवन भर काम आते हैं। हमें आशा है की यहां आने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए यह ट्रिप बहुत ही कामयाब, आनंदकारी और मददगार

मोबाइल फोन छीनकर भाग रहा था चोर, महिला ने चलती ट्रेन से लगाई छलांग; माटला स्टेशन की घटना

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24-परगना जिले में एक महिला चलती ट्रेन से कूद गई, जिस वजह से उसे काफी चोंटे आई। महिला दरअसल चोर को पकड़ने के लिए

कूदी थी जो उसका फोन लेकर भाग रहा था।

पुलिस के अनुसार महिला कैनिंग उप-जिला अस्पताल में बतौर नर्स काम करती है। वह गुरुवार की शाम अपने काम से ट्रेन के जरिए वापस जा रही थी। माटला हॉल्ट स्टेशन के



चोर ने चलती ट्रेन के डिब्बे से उसका मोबाइल फोन छीन लिया और कूद कर फरार हो गया। महिला उस चोर को पकड़ने के लिए उसके पीछे भागी और चलती ट्रेन से कूद गई। चलती ट्रेन से कूदने की वजह से वह गिर गई और उसे चोटें भी आई। इस घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी मौके

पर पहुंची और महिला को रेस्क्यू कर इलाज के लिए कैनिंग अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना पर जीआरपी और आरपीएफ एक साथ जांच कर रही है।

जीआरपी सोनारपुर के एक अधिकारी ने बताया- "यह घटना पिछले शाम की है। महिला को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। इस मामले में फिलहाल किसी की गिरफ्तार नहीं हो पाई है। हम फोन बरामद करने के लिए कदम उठा रहे

पास कैनिंग-सियालदह ट्रेन में एक

साबित हुई होगी।"





जगत

धवन को पूरी तरह से

दिन और लगेंगे

ठीक होने में दो से तीन

मोहाली। पंजाब किंग्स के क्षेत्ररक्षण क्वेच

ट्रेवर गोजाल्विस ने कहा है कि नियमित

कप्तान शिखर धवन की उपलब्धता के लिए

दो से तीन दिन और इंतजार करना होगा

जिससे इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को

मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मैच मे

उनका खेलना संदिग्ध है। धवन को १३

अप्रैल को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ

मैच के दौरान कंधे में चोट लग गई थी।



डुप्लेसी-कोहली-सिराज ने गिराई पंजाब पर गाज

🛡 आरसीबी ने किंग्रस इलेवन को २४ रन से हराया

फाफ डुप्लेसी और उनकी जगह कप्तान की भूमिका निभा रहे विराट कोहली के अर्धशतक के बाद मोहम्मद सिराज की तूफानी गेंदबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में पंजाब किंग्स को 24 रन से हरा दिया।

डुप्लेसी (56 गेंद में 84 रन, पांच छक्के, पांच चौके) और कोहली (47 गेंद में 59 रन, पांच चौके, एक छक्का) के बीच पहले विकेट की 137 रन की साझेदारी से आरसीबी ने चार विकेट पर 174 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम सिराज (21 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 150 रन पर ढेर हो गई। लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने भी 39 रन पर दो विकेट चटकाए। पंजाब किंग्स की ओर से सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन

शमीम शीर्ष पर बरकरार **अहमदाबाद।** दिल्ली के शमीम खान ने

गुरचार को यहां अहमदाबाद ओपन गोल्फ टूर्नामेट के दूसरे दौर मे पार 36 के स्कोर के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी। दो बार के पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैपियन क कुल स्कोर पांच अंडर ६७ है और उन्होंने इस एक करोड़ रापए इनामी प्रतियोगिता में एक शॉट की बढत बना रखी है। नोएडा के अमरदीप मलिक (३२) और अहमदाबाद के समर्थ द्विवेदी (३४) कुल चार अंडर ६८ के स्कोर से संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे है। टूर्नामेट के पहले दो दौर में नौ-नौ

शुमंकर ने निराश किया

ओमिटामा (जापान)। लगभग एक महीने बाद वापसी कर रहे भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने आईएसपीएस हांडा चैपियनशिप के पहले दौर में निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए दो ओवर ७२ का कार्ड खेला। इस २६ वर्षीय भारतीय खिलाड़ी में तीन बर्डी बनाई लेकिन इस बीच उन्होंने दो डबल बोगी और एक बोगी भी की। वह पहले दौर के बाद संयक्त ११७वे स्थान पर है। एंडी सुलिवन और किम एओगस् ने सात अंडर ६३ व्य समान स्वोर बनाक्य पहले दिन संयुक्त बढ़त हासिल की।

वुड्स ने टखने क ऑपरेशन करवाया

न्यूयॉर्क ।दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने अपने दाहिने टखने का ऑपरेशन करवाया है जिसके करण उनक इस साल आगे किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना संदिग्ध है। वुड्स ने बुधवार को ट्विटर पर इसका खुलासा करते हुए कहा कि फरवरी २०२१ में लगी चोट के बाद इसका ऑपरेशन करवाना आवश्यक हो गया था। एक्सेल स्पोर्ट्स मे उनके एजेट मार्क स्टाइतबर्ग ते कहा वह अभी आगम प्रक्रिया शुरू करेंगे। वुड्स के टखने क बुधवार की सुबह न्यूयॉर्क मे ऑपरेशन किया गया और स्टाइनबर्ग ने बताया कि वह फ्लोरिडा स्थित अपने घर लौट आए है।

मैनचेस्टर सिटी और रियाल मैड्रिड में सेमीप्पइनल

म्युनिख। एर्लिंग हालैंड ने फिर से मैनचेस्टर सिटी की तरफ से गोल दागा जिससे उनकी टीम ने चैपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीप्वडनल मे प्रवेश किया जहां उसक सामना रियाल मैड्रिड की मजबूत टीम से होगा। मैनचेस्टर सिटी ने बायर्न म्युनिख के खिलाफ क्वर्टर पाइनल का दूसरा चरण १-१ से डा खेला लेकिन पहले चरण मे ३-० की दमदार जीत के कारण वह ४-। के कल योग से जीत दर्ज करके अंतिम चार मे जगह बताते में साह्त रहा।



सिंह (46) और जितेश शर्मा (41) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए। इन दोनों के अलावा कोई बल्लेबाज 20 रन के आंकडे को भी नहीं छू पाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पावर प्ले में 49 रन तक ही चार विकेट गंवा दिए। अथर्व ताइडे (04) ने सिराज की पहली गेंद पर चौका जड़ा

लेकिन अगली गेंद पर पगबाधा हो गए। डीआरएस लेने पर मैदानी अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। मैथ्यू शॉर्ट (08) ने वेन जड़ा लेकिन पर छक्का हसरंगा की गुगली को चूककर बोल्ड हो गए। सिराज ने चौथे ओवर में लियाम लिविंगस्टोन (02) को पगबाधा किया। इस बार भी

डीआरएस लेने पर मैदानी अंपायर को अपना फैसला बदलना पडा। हरप्रीत सिंह (13) ने पार्नेल पर छक्का जड़ा लेकिन इसके बाद रन आउट हो गए जिससे पंजाब का स्कोर चार विकेट पर 43 रन हो गया। इंपेक्ट प्लेयर के रूप में लेग स्पिनर राहल चाहर की जगह उतरे प्रभसिमरन ने एक छोर संभाले रखा।

उन्होने अब तक चार मैचो मे ११६.५० के औसत से २३३ रन बनाए है। धवन की चोट के बारे में पूछे जाने पर गोजाल्विस ने मीडिया से कहा, इसमे लगभग २-३ दिन और लगने चाहिए।

उन्होंने सिराज पर चौके से खाता खोला और फिर पार्नेल तथा हसरंगा पर भी चौके मारे। प्रभसिमरन ने हसरंगा पर दो छक्कों के साथ रन गति इजाफा करने की कोशिश की लेकिन कप्तान सैम क्रेन (10) तेज रन चुराने की कोशिश में रन आउट हो गए। जितेश को हर्षल पटेल ने पगबाधा किया लेकिन डीआरएस लेने

स्कोरबोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स पारी :रॉय क

खान बो यादव ४३.दास का यादव बो मकेश

४,अय्यर का मार्श बो नॉर्किया ०,राणा का

मुकेश बो शर्मा ४, मनदीप बो पटेल १२, रिक्

यादव बो पटेल ६,नारायण का वॉर्नर को शर्मा

4, रसेल नाबाद 38, रॉय पगबाधा बो यादव

०,यादव का और बो नॉर्किया ३,चक्रवर्ती रन

आउट।**, अतिरिक्त**ः १२ रन**,कुल योग**ः

२०ओवर मे १२७ रन **,विकेट पतन** :१-१५, २-

25, 3-32, 4-50, 5-64, 6-70, 7-93,

८-९३, ९-९६,गेंदबाजी : शर्मा ४-०- १९-

२, मुकेश ४- ०-३४-।,नॉर्किया ४-०-२०-

२,पटेल ३-०-१३-२,मार्श २- ०-२५-०,यादव

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोरः कोहली का जितेश बो हरप्रीत ५९,डुप्लेसी का कुरेन बो एलिस

स्कारबोर्ड

८४, मैक्सवेल का ताइडे बो हरप्रीत ००,क्वर्तिकव्व ताइडे बो अर्शदीप ०७,लोमरोर नाबाद ०७, अहमद नाबाद ०५,अतिरिक्तः 12, **कुल**:20 ओवर में चार विकेट पर:174 रन,**विकेट पतनः** १-१३७, २-१३७, ३-१५१, ४-१६३, गेदबाजीः अर्शदीप ४-०-३४-**।**, हरप्रीत ३-०-३१-२,एलिस ४-०-४१-४, कुरेन 4-0-27-0, चाहर 4-0-24-0, लिविगस्टोन १-०-९-०

पंजाब किंग्सः ताइडे पगबाधा बो सिराज ०४, प्रमसमरन बो पार्नेल ४६,शॉर्ट बो हसरंगा ०८, लिविगस्टोन पगबाधा बो सिराज ०२, हरप्रीत रन आउट १३, कुरेन रन आउट १०,शर्मा का शाहबाज बो हर्षल ४१, शाहरूख स्टं क्वर्तिक बो हसरंगा ०७,बरार बो सिराज 13, एलिस बो सिराज ०१,अर्शदीप नाबाद ००, अतिरिक्तः ०५,कुलः १८.२ ओवर मे सभी विकेट खोकरः १५० रन,विकेट पतन : १-४, 2-20, 3-27, 4-43, 5-76, 6-97, 7-106, **गेंदबाजी**ः सिराज ४-०-२१-४, पार्नेल ३-०-३२-१, हसरंगा ४-०-३९-२, विशाक ३-०-२९-०, मैक्सवेल।-०-५-०, हर्षल ३.२-०-२२-।

पर अंपायर को एक बार फिर अपना फैसला बदलना पडा। जितेश ने इस ओवर में चौका और छक्का मारा। पारी के 12वें ओवर में प्रभिसमरन ने पार्नेल पर एक और छक्का जडा लेकिन अगली गेंद को चूककर बोर्ल्ड हो गए।

केएल राहुल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

जयपुर। लखनऊ सुपरजाइंट्स के कप्तान केएल राहुल पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। लखनऊने बुधवार की रात को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मैच में 10 रन से जीत दर्ज की थी। आईपीएल ने बयान में कहा, टीम का वर्तमान सत्र में धीमी ओवर गति से जुड़ी आईपीएल आचार संहिता के तहत यह पहला अपराध है और इसलिए कप्तान राहुल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना किया गया है। आईपीएल का लक्ष्य मैचों को तीन घंटे और 20 मिनट में समाप्त करना है लेकिन धीमी ओवर गति एक मुद्दा बनता जा रहा है जिसके कारण मैंच चार घंटे से भी अधिक समय

आईपीएल-१६ स्टेडियम से बल्लेबाजों ने गेंदबाजों पर हावी होने के लिए पर्याप्त प्रतिबद्धता नही दिखाईः संगवारा

जयपुर।राजस्थान रॉयल्स के मुख्य क्वेच कुमार संगव्वरा का मानना है कि उनके सलामी बल्लेबाजो ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन अंतिम ओवरों में उनके बल्लेबाज लखनऊसुपरजाइंट्स के गेंदबाजो पर हावी होकर नहीं खेल पाए जिसके करण उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लखनऊने



सात विकेट पर १५४ रन बनाए थे जिसका पीछा करते हुए राजस्थान को यशस्वी जायसवाल (४४) और जोस बटलर (40) ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई थी। राजस्थान ने हालांकि इसके बाद तेजी से विकेट गंवाए और उसकी टीम को 10 रन से हार क सामना करना पडा। संगक्तर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन मे कहा, हमारे सलामी बल्लेबाजो ने वास्तव मे अच्छी भूमिका निभाई और जब 12वां ओवर समाप्त हुआ तो हमे प्रति ओवर आठ रन की जरूरत थी और हमारे पर्याप्त विकेट बचे हुए थे। तब लक्ष्य तक पहुंचना मुश्क्लि नहीं था। दुर्भाग्य से हमने तीन ओवरों में तीन विकेट गंवाए लेकिन तब भी हम लक्ष्य हांसिल कर सक्ते थे। अंतिम ओवरों में विशेषकर रवि विश्नोई के आखिरी ओवर में हमने गेंदबाज पर हावी होने के लिए पर्याप्त प्रतिबद्धता नही दिखाई।

प्रसारणकर्ता अपना नजरिया रखने के लिए कमेंटेटर को पैसा दे रहे हैं: बटलर

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स और इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का कहना है कि अगर कोई कमेटेटर किसी खिलाडी की आलोचना करता है तो वह केवल अपना कम कर रहा है और इसे स्वीकर करना किसी भी क्रिकेटर के करियर का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। बटलर ने ह्युमंस ऑफ बॉम्बे को दिए साक्षात्कर में कहा, स्वीकृति आपके कम का एक बड़ा हिस्सा है। इस बात को स्वीकार करना कि प्रसारणकर्ता किसी वो अपनी राय देने के लिए भुगतान करता है, वे सिर्फ अपना व्वम कर रहे है। जब वे मेरी आलोचना करते है तो यह मुझ पर व्यक्तिगत हमला नही होता है। और मै अन्य खेल देखता हूं। मै फुटबॉल देखता हूं और कहा जाता है ओह वह कैसे चूक गया? यह इतना आसान था। ठीक यहीं लोग करते है जब मैं कैंच छोड़ता हूं या कम स्ववेर पर आउट हो जाता हूं। जब मैं दूसरे खेल देखता हूं तो मै भी ऐसा ही करता हूं। इसे बस स्वीकार करना होगा।

क्वेविड लॉक्डाउन के दौरान कडी मेहनत से शीर्ष फॉर्म हासिल करने में मदद मिली: सिराज

मोहाली। भारत और रॉयल चैलेजर्स बेगलोर (आरसीबी) के तेज गेदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी सफ्लता का श्रेय कोविड के कारण लागू लॉक्डाउन के दौरान की गई कड़ी मेहनत को दिया है। सिराज ने मैच के बाद कहा, लॉक्डाउन मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। मै इससे पहले काफी निराश था क्योंकि मै काफी महंगा



साबित होता था। मैने अपने जिम प्रशिक्षण,अपनी गेदबाजी पर ध्यान वेंद्रित किया और मै अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। एकदिवसीय मैचो मे भी मेरी लय अच्छी थी, मेरा आत्मविश्वास उंचा था और मै इसे आईपीएल के इस सत्र मे लेकर आया। मै एक अच्छा क्षेत्ररक्षक हुंअ मै कमी-कमी कुछ गलतियां करता हूं (मुस्कुराते हुए)। मैं हमेशा हर पहलू में सुधार करने क्वेशिश करता हूं जिससे कि मै टीम का हिस्सा बना रह सकूं। गुरुवार को आरसीबी की कदतानी करने वाले विराट कोहली ने कहा कि पीसीए आईएस बिद्रा स्टेडियम की पिच पर बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण था। यह (जीत) हमे एक अनेय टीम नहीं बनाती है या आज से पहले लीग की स्थित हमें एक बुरी टीम नहीं बनाती है। तालिका आपके मूड को परिभाषित नहीं कर सकती है जबकि आपने सिर्फ पांच या छह मैच खेले है। हम अपनी प्रक्रिया को जारी रखेगे। पहले हाफ मे परिस्थितियों मे काफी बदलाव आया। प्राप्क (डुप्लेसी) ने शानदार बल्लेबाजी की। हमने अपनी साझेदारी को जितना संभव हो उतना लंबा करने के बारे में सोचा जिससे कि हम अतिरिवत २० रन बना सकें। सात या

दिल्ली को आखिर मिल गई

•केकेआर को ४ विकेट से हराया

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर

लीग में अपने लिए करो या मरो के मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 4 विकेट से हरा दिया। इससे पहले अपने गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 127 रन पर रोक दिया। इस सत्र में अभी तक जीत के लिए तरस रही दिल्ली को प्लेआफ की दौड में बने रहने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना है। केकेआर के लिए सर्वाधिक 43 रन जैसन रॉय ने बनाए जिनकी पारी का अंत 15वें ओवर में कुलदीप यादव ने किया। इस चाइनामैन गेंदबाज ने अगली ही गेंद पर अनुकूल रॉय (0) को



अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। खराब फॉर्म से जूझ रहे आंद्रे रसेल ने आखिरी ओवर में मुकेश कुकार को तीन छक्के जड़कर केकेआर को कुछ सम्मानजनक स्कोर दिया। रसेल 31 गेंद में एक चौके और चार छक्कों की मदद से 38 रन

स्टोक्स के फिट होने से चेन्नई चुस्त

चोट के कारण स्टोक्स पिछले तीन

मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन

चेन्नई के लिए यह राहत की बात है

कि अब वह फिट हैं और चयन के

लिए उपलब्ध हैं। स्टोक्स ने बुधवार

को अभ्यास सत्र में भी हिस्सा लिया

था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर

(आरसीबी) पर करीबी जीत दर्ज

करने के बाद चेन्नई की टीम अपने नाकाम रहे हैं। चेन्नई का क्षेत्ररक्षण

घरेलू मैदान पर लौट रही है और ऐसे भी अच्छा नहीं रहा है।

हुए। इससे पहले केकेआर के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाज रॉय ने मुकेश कुमार को दूसरे ओवर में दो चौके जडकर टीम को तेज शुरूआत देने की कोशिश की। उन्होने पहली गेंद पर डीप मिडविकेट में और दूसरी गेंद पर कवर्स में चौका लगाया। इस ओवर

🛡 सनराइजर्स के

खिलाफ उम्मीदे बढ़ी

में इंग्लैंड के कप्तान की वापसी से

उसे और मजबती मिलेगी। उसके

प्रतिद्वंदी सनराइजर्स को पिछले मैच में

मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना

करना पडा था। डेवोन कॉनवे और

रुतुराज गायकवाड़ की सलामी जोड़ी

के शानदार प्रदर्शन तथा शिवम दुबे

की आक्रामक पारी की मदद से

चेन्नई ने पिछले मैच में बड़ा स्कोर

खडा किया था। अजिंक्य रहाणे

जिस तरह से बेफिक्र होकर

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी

कर रहे हैं, उससे चेन्नई को मजबूती

मिली है लेकिन उसके अन्य

बल्लेबाज खास योगदान नहीं दे पाए

हैं। चेन्नई के प्रमुख बल्लेबाज जहां

अपना जलवा दिखा रहे हैं वहीं

उसके गेंदबाज रन प्रवाह रोकने में

ने लिटन दास (चार) के रूप में पहला विकेट गंवाया। फॉर्म में चल रहे वेंकटेश अय्यर खाता भी नहीं खोल सके और चौथे ओवर में एनरिच नॉर्किया ने स्लिप में उन्हें मिशेल मार्श के हाथों लपकवाया।

3-0-15-2

धवन पर निर्भरता पंजाब के लिए बड़ी चिंताः हरभजन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि कप्तान शिखर धवन पर निर्भरता पंजाब किंग्स के लिए बड़ी चिंता का विषय है और अगर उसे वर्तमान आईपीएल में खिताब की दावेदारी पेश करनी है तो उसके अन्य खिलाडियों को भी जिम्मेदारी उठानी होगी। पंजाब की तरफ से अभी तक अधिकतर रन धवन ने बनाए हैं। उन्होंने चार पारियों में 233 रन बनाए हैं। उनकी कप्तानी में पंजाब ने अभी तक दो मैच जीते हैं जबिक इतने ही मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। कंधे की चोट के कारण धवन लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें टीम ने सैम करेन की अगुवाई में जीत दर्ज की थी। हरभजन ने कहा, पंजाब की टीम लगता है कि बल्लेबाजी विभाग में कप्तान शिखर धवन पर बहत अधिक निर्भर है जो कि चिंता का

स्कोर का बचाव नहीं कर पाना गुजरात के लिए चिंता का विषय : कस्टर्न

मौज्दा चैम्पियनगुजरात टाइटंस की टीम इस सत्र में अपने स्कोर का बचाव करने के लिए संघर्ष कर रही है और टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) गैरी कस्टर्न ने स्वीकार किया कि यह टीम के लिए चिंता का विषय है और कहा कि व्यवस्थित गेंदबाजी नहीं होने के कारण ऐसा हो रहा है। गुजरात ने अब तक जो पांच मैच खेले हैं उनमें से तीन मैच में उसने जीत दर्ज की है जबिक वह दो मैचों में अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था। गैरी कस्टर्न ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, पिछले आईपीएल में हमने चार मैचों में अपने स्कोर का बचाव किया था जबकि छह मैचों में लक्ष्य हासिल किया था। इस बार हम अभी तक अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाए हैं लेकिन अभी टूर्नामेंट के



शरुआती दिन हैं। पिछले साल हमारे पास व्यवस्थित गेंदबाजी आक्रमण था। इस बार कुछ खिलाडी चोटिल हैं। इसके अलावा जिस खिलाडी पर हम महत्वपूर्ण ओवरों में भरोसा करते हैं जरूरी नहीं कि वह इसके लिए तैयार हो। गजरात को संभवत: न्यजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन की कमी खल रही है जिन्हें उसने कोलकाता नाइट राइडर्स को सौंप दिया

था। कस्टर्न ने कहा, प्रतएक टीम को अलग-अलग परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना होता है और हमारे पास इस विभाग पर ध्यान देने और उसे व्यवस्थित करने का मौका है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि यह भूमिका सही खिलाड़ी निभा रहा है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व बल्लेबाज ने शुभमन गिल की भी प्रशंसा की जिन्होंने गुजरात को अभी तक अच्छी शुरुआत दिलाई है। गिल ने अभी तक पांच मैचों में 228 रन बनाए हैं। वह (गिल) एक कशल बल्लेबाज के रूप में सामने आया है। भारतीय टीम की तरफ से सभी प्रारूपों में उनके शानदार प्रदर्शन से इसका पता चलता है। हम जानते थे कि वह कशल बल्लेबाज है। श्रभमन के लिए अगला स्तर यह होगा कि वह अपने कौशल का कैसे इस्तेमाल करता है और खेल पर किस तरह से प्रभाव डालता है।



चार बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर

किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार

को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग

(आईपीएल) मैच में सनराइजर्स

हैदराबाद का सामना करेगी तो उसे

उम्मीद रहेगी कि उसके स्टार

ऑलराउंडर बेन स्टोक्स आखिरकार

फिट होकर मैदान पर उतरेंगे। पांव की



एक दिन नाटो में शामिल होगा यूक्रेन : स्टॉल्टनबर्ग

•देश को लगातार सहयोग प्रदान करने का वादा किया

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टॉल्टनबर्ग ने बृहस्पतिवार को कहा कि युक्रेन संगठन में शामिल होने का हकदार है। उन्होंने पिछले साल रूस के आक्रमण के बाद अपनी पहली युक्रेन यात्रा के दौरान देश को लगातार सहयोग प्रदान करने का वादा किया। युक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्टॉल्टनबर्ग से यूक्रेन को लड़ाकू विमान, तोप और बख्तरबंद उपकरणों समेत अधिक मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया। स्टॉल्टनबर्ग ने युक्रेन के लिए नाटो सदस्यों का समर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नाटो के नेताओं ने वर्ष 2008 में कहा था कि एक दिन युक्रेन अटलांटिक परिवार में युक्रेन का आक्रमण के बाद से पहली बार युक्रेन बातचीत के दौरान कहा कि युक्रेन के करता है।



स्टॉल्टनबर्ग ने एक बार फिर दोहराया। हालांकि संगठन ने युक्रेन को सदस्यता देने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की है। स्टॉल्टनबर्ग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं साफतौर पर

वाजिब स्थान है। स्टॉल्टनबर्ग ने किया है कि युक्रेन नाटो में शामिल कहा कि उन्होंने और जेलेंस्की ने नहीं होना चाहिए। रूस सरकार के सहायता कार्यक्रम पर चर्चा की है। प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि उन्होंने कहा, नाटो आज, कल और हमेशा आपके साथ खड़ा है। नाटो कहना चाहता हुं कि यूक्रेन यूरोपीय- महासचिव पिछले साल रूस के पेस्कोव ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से

संगठन में शामिल होगा, जिसे उचित स्थान है। नाटो में यूक्रेन का पहुंचे हैं। इस बीच, रूस ने आगाह युक्रेन को नाटो में शामिल होने से रोकना रूस का एक लक्ष्य रहा है।

इसकी सुरक्षा के सामने गंभीर खतरा पैदा होगा। रूस युद्ध को लेकर कई और अलग-अलग तरह के स्पष्टीकरण दे चुका है, लेकिन वह हालिया वर्षों में उसके आसपास के देशों के नाटो में शामिल होने पर कई बार चिंता जाहिर कर चुका है। रूस को डर है कि यूक्रेन भी नाटो में शामिल हो सकता है। नाटो की स्थापना सोवियत संघ पर शिकंजा कसने के लिए की गई थी। लंबे समय से यह आशंका जताई जा रही है कि नाटो परमाणु शक्ति संपन्न रूस के खिलाफ युद्ध में कूद सकता है। इस महीने की शुरुआत में फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बडा झटका लगा था। यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं है। 31 देशों का यह संगठन यूक्रेन सरकार को केवल जनरेटर, चिकित्सा उपकरण, सैन्य वर्दियां या अन्य सामान की आपूर्ति

ऑस्ट्रेलिया के तटीय शहर एक्समाउथ में बृहस्पतिवार को तड़के दुर्लभ सूर्य ग्रहण नजर आया, जिसे देखने करीब 20,000 लोग जुटे। सूर्य ग्रहण के कारण करीब एक मिनट तक उत्तर पश्चिमी तट पर दिन में अंधेरा छाया रहा। तीन हजार से कम निवासियों वाले इस दूरस्थ पर्यटक शहर को ग्रहण देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया में सबसे अच्छे गंतव्य में से एक के रूप में प्रचारित किया गया था, जो इंडोनेशिया और ईस्ट तिमोर के हिस्सों से भी जुड़ा है। सूर्य ग्रहण देखने के लिए एक्समाउथ में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक पिछले कई दिनों से जुट रहे थे। ए लोग ग्रहण का नजारा लेने के लिए अपने साथ दूरबीन, कैमरे और अन्य उपकरण लेकर पहुंचे। अमेरिकी एजेंसी नासा के अंतरिक्ष खगोलशास्त्री हेनरी थ्रूप भी सूर्य ग्रहण देखने एक्समाउथ पहुंचे। ग्रहण के बाद हेनरी ने कहा,



ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया में नजर आया सूर्य ग्रहण

अविश्वसनीय नजारा है। इतना तेज, इतना चमकीला। सूर्य के आसपास कोरोना स्पष्ट नजर आ रहा है। केवल एक ही मिनट लंबा था लेकिन वास्तव में यह लंबे समय का और अद्भुत अहसास करा गया। दिलचस्प बात है कि जब हम लोग ग्रहण देख रहे थे, तभी हमने बृहस्पति और बुध ग्रहों को भी स्पष्ट देखा। दिन में बुध का दिखना बहुत ही दुर्लभ है। उल्लेखनीय है कि कोरोना सूर्य के वातावरण का सबसे बाहरी हिस्सा है। कोरोना आमतौर पर सूर्य की सतह के तेज प्रकाश से छिपा रहता है। इसे विशेष उपकरणों का उपयोग किए बिना देखना

को पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान देखा जा सकता है। सूर्य ग्रहण देखने के लिए उत्साहित जुली कॉप्सन करीब।,000 किलोमीटर का सफर तय करके फ्रेमेंटल शहर से एक्समाउथ पहुंचीं। मैं काफी भावुक महसूस कर रही हूं। ग्रहण के दौरान तापमान काफी गिर गया था। ग्रहण के दौरान तापमान में अचानक पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी गई, जो इससे पहले करीब 29 डिग्री सेल्सियस था। वहीं, इंडोनेशिया की राजधानी में आंशिक ग्रहण देखने के लिए जकार्ता तारामंडल में सैकड़ों लोग पहुंचे। अजहरा (21) दूरबीन के जरिए सूर्य ग्रहण को करीब से देखने के लिए अपनी बहन और दोस्तों के साथ आईं थीं। बादल छाए रहने के बावजूद मैं अभी भी यहां आकर खुश हूं। यह देखकर खुशी हुई कि कैसे पूर्ण उत्साह के साथ लोग यहां ग्रहण देखने आए हैं क्योंकि ऐसा बहुत कम होता है।

मुश्किल होता है। हालांकि, कोरोना

द्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में होगा 'आदिपुरुष' का प्रीमियर

हुबली फेम प्रभास इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म आदिपुरुष को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हर किसी को इस फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार है। जब से इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है, तब से इसके जबरदस्त चर्चे हैं। हाल में इस फिल्म के नए पोस्टर रिलीज किए गए थे, जिनको लेकर सोशल मीडिया पर जबर्दस्त हंगामा हुआ था। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। जिसके अनुसार भारत में इस फिल्म के रिलीज से पहले इसका प्रीमियर रखा जाएगा और यह विदेश में होगा। ऐसे में यह आदिपुरुष के लिए बड़ा मूव माना जा रहा है।

आदिपुरुष की कहानी भगवान राम पर आधारित है, यही वजह है इस फिल्म में रामायण से जुड़े कई किरदार नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की वर्ल्ड प्रीमियर की तारीख की भी घोषणा कर दी गई है। आदिपुरुष की टीम ने घोषणा की है कि इस फिल्म का प्रीमियर न्यूयॉर्क के द्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में होगा। प्रीमियर की तारीख 13 जून रखी गई है। ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल ७ से १८ जून तक चलेगा। यह जानकारी सामने आने का बाद फैंस में इस फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट दोगुना होता जा रहा है। क्योंकि इतने बड़े मंच पर किसी फिल्म का प्रीमियर होना अपने आप में बड़ी बात है। यह पल हर भारतीय और फिल्म से जुड़े कलाकारों के लिए खास होगा, जब भारतीय संस्कृति पर आधारित फिल्म का विश्व पटल पर प्रीमियर होगा। यही नहीं, सम्मानित जूरी ने आदिपुरुष को इस फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर के लिए चुना है। इस बारे में ओम राउत कहते हैं कि आदिपुरुष एक फिल्म नहीं बल्कि यह एक इमोशन है। यह एक ऐसी कहानी की जो भारत की भावना के साथ जुड़ी हुई है। जब मुझे पता चला कि आदिपुरुष को दुनिया के प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक के सम्मानित जूरी द्वारा चुना गया है, तो मैं बहुत खुश हुआ। ट्रिबेका फेस्टिवल का यह प्रीमियर वास्तव में मेरे लिए और साथ ही पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है, क्योंकि हमें वैश्विक स्तर पर एक ऐसी कहानी दिखाने का मौका मिला है। वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए हम वास्तव में रोमांचित और उत्साहित हैं। आदिपुरुष को पहले इसी साल की शुरुआत यानी 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन फिल्म के टीजर को फैंस की ओर से मिले निगेटिव रिव्यू और कुछ टेक्नॉलॉजी मुश्किलों के चलते फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट को अब बदलकर 16 जून कर दिया गया है। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार प्रभास के अलावा सैंफ अली खान, सनी सिंह और कृति सेनन मुख्य भूमिका में नजर आने

शादी की अफवाहों के बीच परिणीति चोपड्डाने निजी जिंदगी पर किया खुलासा **ट्रि** लीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा पिछले कुछ समय से अपनी

लव लाइफ की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का नाम आप सांसद राघव चड्डा के साथ जुड़ रहा है। खबर है कि दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। शादी की अफवाहों के बीच परिणीति और राघव लगातार एयरपोर्ट पर साथ में स्पॉट हो रहे हैं। हालाँकि, दोनों ने अपने रिश्ते और शादी की ख़बरों पर किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परिणीति और राघव सगाई के बाद अपने रिश्ते को आधिकारिक कर सकते है। सगाई और शादी की अफवाहों के बीच अभिनेत्री ने एक मीडिया आउटलेट को इंटरच्यू दिया है, जिसमें उन्होंने अपनी निजी जीवन पर खुलकर बात की है। परिणीति चोपड़ा लाइफस्टाइल एशिया इंडिया मैगज़ीन के अप्रैल एडिशन की कवर गर्ल बनी हैं। इस दौरान उन्होंने मैगजीन को एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बातचीत की। इंटरव्य के दौरान अभिनेत्री से सवाल पूछा गया कि वह निजी जीवन में अपने लिए

सीमाएं कैसे निर्धारित करती है? इसके जवाब में परिणीति ने कहा, हम अपने लिए, अपने चेहरों के लिए, और अपने नाम के लिए इस देश में हर एक लिविंग रूम तक पहुँचने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। हम अपनी पूरी मेहनत करते हैं। इसलिए जब पहचान, प्यार और स्वीकृति होती है, तो मैं इसे केवल सफलता के रूप में देखती हूं। सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बने रहने पर परिणीति ने कहा, अगर मैं कोई नहीं हूँ और उन्हें मुझमे कोई दिलचस्पी नहीं है तो इसका मतलब यह है कि एक अभिनेत्री के रूप में मैंने जो हासिल करने की कोशिश की, वह मैं हासिल नहीं कर पाई क्योंकि एक सफल अभिनेत्री प्रसिद्ध होगी, हर किसी के घरों, लिविंग रूम, समाचार, समाचार चैनलों, डिजिटल मीडिया, पैपराजी संस्कृति का एक हिस्सा होगी। मुझे लगता है कि मेरा जीवन दुनिया के लिए है। सोशल मीडिया पर अपने बारे पर उड़ती अफवाहों पर अभिनेत्री ने कहा,

मेरे जीवन और उसके बारे में चर्चा करने वाले

लोगों के बीच एक छोटी सी रेखा है। लोग

कभी-कभी इस रेखा को लांघते जाते हैं और

असम्मानजनक बाते करने लगते हैं। यदि

कभी ऐसा होता है, किसी ने कुछ गलत

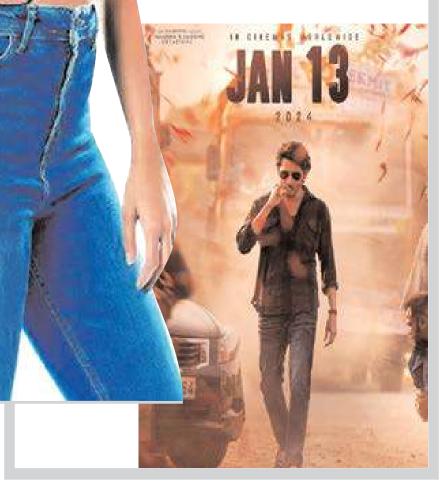
किया है तो मैं उसे स्पष्ट कर दूंगी।

बड़े पर्दे पर महेश बाबू संग जमेगी



जा हेगड़े इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह सलमान खान के साथ लीड रोल में नजर आने वाली हैं। फिलहाल, अभिनेत्री पूरी टीम के साथ फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रही हैं। इस बीच एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में भी बात की है। दरअसल, इस फिल्म के बाद पूजा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ उनकी अपकमिंग फिल्म एसएसएमबी 28 में नजर आएंगी। बता दें कि यह दूसरा मौका होगा जब अभिनेत्री सुपरस्टार के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर त्रिविक्रम श्रीनिवास कर रहे हैं। इंटरव्यू के दौरान जब पूजा से इस फिल्म से जुड़े अपडेट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। साथ ही, उन्होंने महेश बाबू के नए किरदार और फिल्म में अपनी अनूठी उपस्थिति के बारे में उत्साह व्यक्त किया। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें महेश बाबू की कौन सी क्वालिटी अच्छी लगती है। इस पर पूजा ने कहा कि वॉइस मॉड्यूलेशन पर उनका

शानदार नियंत्रण है जो उन्हें प्रभावशाली लगता है। गौरतलब है कि महेश बाबू, पूजा और संयुक्ता मेनन स्टारर एसएसएमबी 28, 13 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का पहला पोस्टर महेश बाबू जन्मदिन पर सामने आया था, जिसने देखकर फैंस आश्चर्यचिकत रह गए थे। पूजा की किसी का भाई किसी की जान की बात करें तो इसमें वेंकटेश, शहनाज गिल, पलक तिवारी, सिद्धार्थ निगम, राघव जुयाल, जस्सी गिल और भूमिका चावला अहम किरदार में हैं। यह फिल्म 21 अप्रैल, 2023 को रिलीज होने वाली है।



'भले ही मैंने कितना भी अच्छा काम किया हो लेकिन...' फीस असमानता पर छलका विक्रांत मैसी का दर्द

टे पर्दे के शो बालिका वधू से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाले एक्टर विक्रांत मैसी आज के समय में किसी पहचान के मुहताज नहीं हैं। एक्टर को वेब सीरीज मिर्जापुर में बबलू भैया का किरदार निभाकर भौकाल मचाते और 'हसीन दिलरुबा में तापसी पन्नू समेत गैसलाइट में चित्रांगदा सिंह और सारा अली खान संग काम करके तारीफें बटोरते देखा जा चुका है। विऋांत, दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म छपाक में भी नजर आए थे। एक्टर ने अब

जाकर छपाक के लिए अपनी फीस पर बडा और

चौंकाने वाला खुलासा किया है। मनोरंजन जगत की अभिनेत्रियां हमेशा से ही फीस को लेकर असमानता पर अपना पक्ष रखती नजर आई हैं। साथ ही इसे एक्टर के बराबर करने पर जोर देती देखी जाती रही हैं। इसी कडी में अब विक्रांत मैसी ने फीस असमानता पर बड़ा खुलासा किया है। एक्टर ने मेघना गुलजार की फिल्म छपाक में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण से कम वेतन मिलने की बात कही है,

और इसे लेकर अपना हाल बयां करते नजर आए हैं। विऋांत मैसी और दीपिका पादुकोण स्टारर

फिल्म छपाक भले ही बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी लेकिन, इसमें दोनों सितारों की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। वहीं, विक्रांत को लगता है कि छपाक फिल्म के प्रदर्शन को प्रभावित करने में कुछ राजनीतिक कारण थे। एक्टर ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में अपनी फीस को लेकर कहा है, ज्यादातर मामलों में महिलाओं को परुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है। वहीं, कई ए-लिस्टर एक्ट्रेस ने इस पर खुलकर बात की है, लेकिन हमारी सिचुएशन अलग है। हम जिन फिल्मों में काम करते हैं उन फिल्मों में फीमेल को-स्टार्स को हमसे ज्यादा सैलरी दी जाती है, लेकिन मैं इस बात का बतंगड़ नहीं बनाता। विक्रांत मैसी ने आगे कहा, मेरी फिल्मों की एक्ट्रेस को मुझसे ज्यादा पैसा मिला है।

फास्ट एक्स का दूसरा ट्रेलर जारी

हों लीवुड की चर्चित सीरीज में से एक फास्ट एंड फ्यूरियस के ऋेजी फैस दुनियाभर में हैं। उन सभी के लिए एक खुशखबरी है। इस सीरीज की अगली फिल्म फास्ट एक्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है। बता दें कि यह इस फिल्म का दूसरा ट्रेलर है, जो आज जारी किया गया है।

अगले महीने होगी रिलीज ट्रेलर में एक्शन और थ्रिल का जबर्दस्त तड़का है। साथ ही इसमें तूफानी कार राइड भी फैंस का रोमांच कई गुना बढ़ा देगी। यह



फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर धमाकेदार है और यकीनन दर्शकों के बीच फिल्म के प्रति बेकरारी

बढा देगा। ट्रेलर में कई हैरतअंगेज एक्शन सीक्वेंसेज दिखाए गए हैं। पुरानी दुश्मनी के साथ कुछ नये दुश्मन लौटे हैं।

समंथा विन्सेंट ने किया है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी लुइस लेटेरियर ने संभाली है। बता दें कि यूनिवर्सल पिक्वर्स की यह फिल्म 19 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो विन डीजल के साथ मिशेल रॉड्रिग्ज, टायरीस गिब्सन, ऋिस ब्रिजेज, जेसन मोमोआ, जेसन स्टेथमजॉन सीना, सुंग कांग अहम किरदारों में नजर

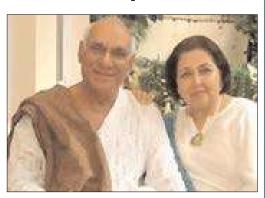
फिल्म का निर्माण नील एच मॉरिट्ज, विन डीजल, जस्टिन

ली, जेफ जेफ किरशेनबॉम और

श्रद्धांजलि

रविवार 23 से 29 अप्रैल 2023

यश चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा का निधन



श चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा का निधन हो गया। वह 74 साल की थीं। पामेला चोपड़ा एक प्रसिद्ध भारतीय पार्श्व गायिका थीं। इसके अलावा वह फिल्म लेखक और निर्माता भी थीं। रिपोर्टस के मृताबिक, वह पिछले 15 दिनों से मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थीं। डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रखा था लेकिन उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। पामेला चोपडा को आखिरी बार YRF डॉक्युमेंट्री द रोमैंटिक्स में देखा गया था जहाँ उन्होंने अपने पति यश चोपड़ा और उनकी यात्रा के बारे में बात की थी। रोमांटिक्स ने न केवल यश चोपड़ा द्वारा हिंदी फिल्म उद्योग में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला, बल्कि पामेला द्वारा किए गए योगदान पर भी ध्यान केंद्रित कराता है। पामेला ने यश चोपड़ा से 1970 में एक पारंपरिक समारोह में शादी की थी। यह एक अरेंज मैरिज थी। उनके दो बेटे आदित्य और उदय चोपड़ा हैं। आदित्य फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हैं। उन्होंने रानी मुखर्जी से शादी की है। उदय एक अभिनेता और फिल्म निर्माता हैं। पामेला चोपड़ा ने कई फ़िल्मी गाने गाए हैं, वे सभी अपने पति की फिल्मों के लिए - कभी कभी (1976) से लेकर मुझसे दोस्ती करोगे तक। 1993 की फिल्म आईना का निर्माण स्वतंत्र रूप से उनके द्वारा किया गया था। पामेला ने अपने पति यश चोपड़ा, अपने बेटे आदित्य चोपड़ा और पेशेवर लेखक तनुजा चंद्रा के साथ अपने पति की 1997 की फिल्म दिल तो पागल है की पटकथा का सह-लेखन भी किया था। चोपड़ा का जन्म भारतीय सेना में एक अधिकारी मोहिंदर सिंह की बेटी पामेला सिंह के रूप में हुआ था। तीन बच्चों में सबसे बड़ी थीं। उनके दो छोटे भाई हैं। दिलवाले दुल्हिनया ले जाएंगे का घर आजा परदेसी गाना उनके सबसे लोकप्रिय गीतों में से एक है।

अदिति राव हैदरी के नाम जुटी महफिल

सिद्धार्थ की मौजूदगी से दमक उठी 'अनारकली'



इम वीडियो पर रिलीज वेब सीरीज 'जुबली' की शोहरत का साया बीती रात यहां जी5 वेब सीरीज ताज डिवाइडेड बाय ब्लड की पार्टी में भी दिखा। 'जुबली' में हिंदी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री देविका रानी से प्रेरित किरदार सुमित्रा कुमारी को निभाकर अपनी दमदार अदाकारी दिखाने वाली अदिति राव हैदरी ही इस महिफल की शान रहीं। वहीं सीरीज 'ताज डिवाइडेड बाय लव' का ये लगातार तीसरा कार्यक्रम रहा जिसमें इस सीरीज के प्रमुख किरदार निभाने वालों में शामिल नसीरुद्दीन शाह नहीं आए। हालांकि, अदिति के करीबी दोस्त अभिनेता सिद्धार्थ की मौजूदगी के चलते अदिति पूरे समय चहकती, दमकती दिखीं। जी5 की तरफ से वेब सीरीज 'ताज डिवाइडेड बाय ब्लंड की सफलता का जश्न मनाया गया और इस सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की गई। इस अवसर पर सीरीज के सभी कलाकारों के अलावा अपने जमाने के ही मैन धर्मेंद्र भी मौजूद रहे है। लोगों को उम्मीद थी सफलता के इस जश्न में सीरीज में अकबर की भूमिका निभाने वाले नसीरुद्दीन शाह जरूर शामिल होंगे सीरीज की सफलता पार्टी में नसीरुद्दीन शाह के शामिल होने की जानकारी भी दी गई दी थी। लेकिन नसीरुद्दीन शाह नहीं पहुंचे। वेब सीरीज 'ताज डिवाइडेड बाय ब्लंड को लेकर अब तक जितने भी कार्यक्रम में हुए हैं, उनमें से किसी में भी सीरीज में अकबर का किरदार निभाने वाले नसीरुद्दीन शाह शामिल नहीं हुए। हर बार उनके इवेंट में शामिल न होने की वजह उनकी व्यस्तता बताई गई जबकि उम्र के इस पडाव पर भी धर्मेंद्र इस सीरीज के दो कार्यक्रमों में शामिल हो चुके हैं। इस बार भी धर्मेंद्र आए, लेकिन बस दो मिनट के लिए। धर्मेंद्र ने ताज डिवाइडेड बाय ब्लंड की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा, इस सीरीज में मेरी बहुत ही छोटी सी भूमिका है लेकिन जब मैंने सुना कि इसमें मेरा छोटा भाई नसीरुद्दीन शाह काम कर रहा है तो मैं इसमें तुरंत काम करने के लिए तैयार हो गया। छोटा स्क्रीन अब बड़ा हो गया है, इस बात की मुझे बेहद खुशी है। सक्सेस पार्टी में धर्मेंद्र के अलावा अदिति राव हैदरी, आशिम गुलाटी, ताहा शाह बादुशा, दीपराज राणा, सीरीज के निर्माता अभिमन्युं सिंह और दूसरे सीजन के निर्देशक विभु पुरी भी मौजूद रहे। 'ताज -डिवाइडेड बाय ब्लड' के पहले सीजन का निर्देशन रॉन स्कैल्पेलो ने किया है।

महाराष्ट्र में बावड़ी का दस्तावेजीकरण



आक्टिक्ट धीरज सल्हीत्र ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

महाराष्ट्र के बावड़ियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक जन आंदोलन में उच्च और तकनीकी शिक्षा के कई संस्थान एक साथ आ रहे हैं। मूल्यवान पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और सुरक्षा का अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है और कार्यक्रम के चरण 1 में 150 से 200 सीदीदार कुओं के प्रलेखन को कवर करने की योजना बनाई गई है।

इस अभियान में शामिल होने के इच्छुक संस्थान महाराष्ट्र स्टेपवेल्स अभियान टीम के साथ सहयोग कर सकते हैं और संकाय और छात्रों की एक टीम को जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। संस्थान महाराष्ट्र स्टेपवेल्स अभियान टीम द्वारा तैयार की गई एक विस्तृत सूची से दस्तावेज़ीकरण के लिए एक बावड़ी का चयन कर सकते हैं और दस्तावेज़ीकरण कार्य को पूरा करने के लिए उपयुक्त



समय सीमा की पहचान कर सकते हैं। संस्थान निर्धारित समय के भीतर प्रलेखन अभियान को पूरा करने के लिए अपने शैक्षणिक कैलेंडर के साथ सरेखण में गतिविधियों की अपनी अनसची तैयार करने के लिए स्वतंत्र हैं। प्रत्येक क्षेत्र को एक टीम हेड के तहत अलग किया जाता है जो प्रलेखन कार्य के संचालन के लिए संस्था की गतिविधियों का समन्वय करता है। वर्तमान में टीमें नासिक, पुणे, मराठवाड़ा, विदर्भ, मुंबई और ठाणे क्षेत्र के क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

कुछ दिलचस्प विशेषताएं जो उल्लेखनीय हैं, वह यह है कि महाराष्ट्र में ही लगभग 20000 बावड़ियाँ हैं। प्रत्येक बावड़ी ज्यामिति में अद्वितीय है

और स्थानीय भूविज्ञान के अनुकूल है। सबसे पुराने बावड़ी लगभग 700 साल पुराने चालुक्य और यादव काल के हैं। इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता सफाई अभियान रही है, जिसमें इन कुओं को न केवल साफ किया गया है, बल्कि अपने पुराने स्वरूप में वापस लाया गया है। इसने क्षेत्र में समग्र जागरूकता बढ़ाई है और स्थानीय आबादी की भागीदारी के माध्यम से सक्रिय संरक्षण किया जा रहा है। कार्य के चरणों में शामिल हैं, विरासत की सूची बनाना, सुरक्षा योजना तैयार करना, नीतियों और दिशानिर्देशों की

पहचान करना, निर्मित प्रपत्र का

महाराष्ट्र में भीषण गर्मी के कारण स्थानीय बोर्ड के स्कूल हुए बंद

महाराष्ट्र राज्य में गर्मी का कहर बढ़ता जा रहा है जिस कारण स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को काफी कठिनाई का सामना करना पद रहा है. गर्मी के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार ने आदेश जारी किया है.

मौजूदा गर्मी की स्थिति के कारण राज्य बोर्ड से संबद्ध सभी स्कूल आज से यानी शुक्रवार, 21 अप्रैल से बंद रहेंगे. यह आदेश राज्य में अत्यधिक लू की स्थिति के कारण लोगों की दुखद मृत्यु के बाद जारी किया गया था।

यह संभावना है कि राज्य में अन्य स्कूलों का संचालन करने वाले बोर्ड जैसे सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड भी राज्य के इस सूट का पालन करने का निर्णय ले सकते हैं. अन्य बोर्ड के लिए यह निर्णय हालांकि बंधन कारक नहीं



ग्रीष्मावकाश के बाद अगले शैक्षणिक

वर्ष की शुरुआत को लेकर भी दिशा

निर्देश जारी किये हैं जिसके अंतर्गत राज्य के अधिकांश स्कूल 15 जून को फिर से खुलेंगे, जबिक विदर्भ में स्कूल 30 जुन से शुरू होंगे. ज्ञात हो की विदर्भ में भीषण गर्मी पड़ती है इसीलिए ऐसा निर्णय लिया गया है.

इस बीच, अनियमित मौसम के कारण राज्य भर में झूलसने वाली गर्मी का अहसास किया जा रहा है, जिससे लोगों को दैनिक गतिविधियों में बेहद परेशानियों का सामना करना पड रहा है और राज्य के अधिकांश स्थानों पर दिन

मुंबई में सांताक्रूज स्थित वेधशाला मुंबई का तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि नवी मुंबई में 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज

महाराष्ट्र क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार महाराष्ट्र राज्य सबसे अधिकतम तापमान विदर्भ के चंद्रपुर में था जहाँ 42.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान था. वेधशाला की रिपोर्ट दर्शाती है की राज्य में गर्मी का भीषण प्रकोप जारी है. ज्ञात हो कि तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के चलते 20 अप्रैल से चंद्रपुर के ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) में जंगल सफारी के समय में बदलाव

वर्तमान समय धर्म के तत्त्व को गंभीरता से समझने का समय हैं : वैष्णवाचार्य द्रुमिलकुमारजी महोदयश्री

मुंबई : आज कुछ लोगों द्वारा आपको प्रलेखन और अंत में संरक्षण योजना सामाजिक और मानसिक स्तरसे कमजोर करने की बहत कोशिश हो रही है इसलिए सबको सावधान होने की जरूरत है ऐसा प्रसिद्ध वैष्णवाचार्य गोस्वामी दूमिलकुमारजी महोदयश्रीने अपने एक विशेष संदेशमे दर्शाया है। कोई आपकी धार्मिक बात पर शंका करे ; आपको जवाब देना आता ना हो तो भी आपमें सो प्रतिशत श्रद्धा होनी चाहिए। आपको उन्हें स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए की हमें हमारे ऋषि मुनिओ ने, हमारे शास्त्रोंने, हमारे धर्मगुरुओं ने जो

में कहेना चाहिए की हम सनातन वैदिक

धर्मावलंबी पुष्टिमार्गीय वैष्णव हैं ऐसा

बताते हुए वैष्णवाचार्य गोस्वामी

लेकिन विद्वान नहीं, जिसे मालूम नहीं की वो ज्ञानी है की अज्ञानी, ऐसे डेढ़ सयाने लोग संप्रदाय के बारे में फालतू तर्क लगाए तो उनकी बातों पे ध्यान देना चाहिए नहीं। इस अवसर पर भी कहा हैं वो सच है। हम कभी भी उसे वैष्णवाचार्यजी ने बताया की केवल झूठ नहीं मानेंगे। कोई आपको पूछे आनंद के लिए या समय बिताने के लिए की आप कौन ? तो आपको उसके उत्तर धर्म की बातो को सुनने का समय अभी

द्रमिलकुमारजी महोदयश्री ने मीरारोड की हवेली में श्रोताओं को अपने संदेश में कहा की आप केवल वैष्णव नहीं हो, आप का संबंध वेद के साथ देखने को मिलता हैं। भविष्य पुराण में दर्शाया हैं। इस बात का संदर्भ गोसाइजी ने भी दिया इसलिए कोई नास्तिक, बहोत पढ़ा हुआ

> और समाज की रक्षा के लिए आगे बढ़ने का ये समय है। अमेरिका जाना हो तो वीजा का ज्ञान हासिल करना पड़ता है। इसलिए जो पुष्टि मार्ग में हम है वो पुष्टि मार्ग के बारे में हमें मालूम होना चाहिए वर्ना पुष्टि मार्ग आप में प्रवेश करेगा ही नहीं। पुष्टि मार्ग आप में प्रवेश करेगा तो ठाकोरजी भी वो ही मार्ग से आपके

बिजली चोरी मामलाः बिना कनेक्शन बिजली का

उपयोग करने वाले परिवारों को दिया जाएगा कनेक्शन

आज कुछ लोगों द्वारा आपको सामाजिक और मानसिक स्तर से कमजोर करने की कोशिश हो रही हैं

हृदय में आयेंगे। आपके अंदर मार्ग ही नहीं होगा तो भगवान के अंदर आनेका मार्ग कोन सा ? महोदयश्री ने कहा की श्रीमहाप्रभूजी पुष्टि मार्ग का हार्द है। उनके स्वरूप को समझोगे तो ही ठाकोरजी की सेवा में चित्त लगेगा। तो ही ठाकोरजी में प्रीति होगी। ठाकोरजी के जो भी स्वरुप की भाव से सेवा करोगे वो सेवा का ठाकोरजी स्वीकार करते हैं। इसलिए वल्लभाचार्यजी की तत्वज्ञान की परंपरा के मुताबिक आगे बढ़ो। केवल ग्रंथ की बातों को अपनाते हुए आगे बढ़ोगे तो महाप्रभूजी का तत्व धारण नहीं कर पाओगे। उनके अगाध चरित्र का, उनके अमृत रस का परिचय नहीं होगा। इसलिए परंपरा के अनुसार गुरुमुख द्वारा सुनोगे तो हृदय में अपने आप बरोबर ग्रहण हो जायेगा। भगवान श्री कृष्ण कहेते है जो मुझे तत्व से जानता है उनके हृदय में से मै कभी जाता ही नहीं। महोदयश्री ने अपने प्रेरक प्रवचन में कहा की पुष्टि मार्ग का फ़ल ठाकोरजी है, पुष्टि मार्ग का फ़ल बंगला, गाड़ी, प्रतिष्ठा नहीं।

महाराष्ट्र बीजेपी प्रमुख ने पवार के बारे में कुछ भी बोलने से किया इनकार

महाराष्ट्र की राजनीति में इस समय काफी गहमागहमी मची हुई है। इसी बीच महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने महाविकास अघाड़ी नेताओं पर हमला किया है। शुक्रवार को कहा कि भाजपा प्रमुख ने कहा कि महाविकास अघाड़ी के नेता एनसीपी नेता अजित पवार को बदनाम कर रहे हैं। वह उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। पवार की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं।अजित के भाजपा में शामिल होने वाली अटकलों पर प्रमुख ने कहा कि उनसे तीन महीनों से मुलाकात नहीं हुई है। उन्होंने सत्ता के किसी भी वरिष्ठ नेता से बात तक नहीं की है। महाविकास अघाडी के नेता अजित को बदनाम कर रहे हैं। पवार की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। शपथ ग्रहण के बाद



से उन पर सवालिया निशान उठाए जा रहे हैं। भाजपा राज्य प्रमुख ने कहा कि मैं ऐसा कुछ नहीं बोलूंगा, जिससे पवार की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो जाएं। एमवीए नेता जानबुझकर उन्हें कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। बावनकुले का कहना है कि राकांपा के 13 विधायक भाजपा के संपर्क में बिल्कुल नहीं है। ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दीजिए। ऐसे शुरू

हुईं अटकलेंअजित पवार से जुड़ी अटकलें तब सामने आईं, जब अजित ने अचानक अपनी बैठकें रद्द कर दीं। इसके अलावा उनकी कुछ टिप्पणियां भी भाजपा और शिंदे सरकार के प्रति नरम दिखाई दिए। अप्रैल की शुरुआत में पवार ने नरेंद्र मोदी की जीत को करिश्मे का श्रेय दिया। पवार ने कहा कि उनके लिए महंगाई और रोजगार पीएम की डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। हालांकि, पवार ने भाजपा में शामिल होने और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने की अटकलों को निराधार बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया। भाजपा का दामन थामने की चर्चाओं के बीच अजित पवार ने अपने ट्विटर प्रोफाइल से राकांपा का झंडा हटा दिया। इससे भी उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलों को बल मिला।

पार्टी के सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे अजीत पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने पार्टी को सूचित किया है कि वह अन्य जगहों पर अपनी पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण शुक्रवार को मुंबई में होने वाले एक दिवसीय सम्मेलन में भाग नहीं ले पाएंगे।

पुणे में संवाददाताओं से बात करते हुए पवार ने इन खबरों को तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि वह राकांपा की बैठक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि उन्हें उसी समय होने वाले कुछ अन्य कार्यक्रमों में भी उपस्थित रहना है। राकांपा ने यह भी कहा कि अजित पवार



के पार्टी की बैठक में शामिल नहीं होने का मतलब यह नहीं है कि वह संगठन छोड़ने की योजना बना रहे हैं। अजीत पवार की भाजपा से नजदीकी बढ़ने की अटकलें तेजराकांपा प्रमुख शरद पवार शाम को राज्य की राजधानी में पार्टी की

बैठक को संबोधित करने वाले हैं। पार्टी की बैठक आज सुबह शुरू हुई। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में अजित पवार की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ बढ़ती नजदीकियों को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं। उनके अगले राजनीतिक कदम के बारे में अफवाहें पिछले हफ्ते तब शुरू हुईं जब उन्होंने अचानक अपनी निर्धारित बैठकों को रह कर दिया और ऐसी टिप्पणियां भी कीं जिन्हें भाजपा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे के प्रति नरम माना गया। भाजपा शिंदे सरकार का हिस्सा है।

परिवार को बिजली कनेक्शन का तोहफा देने जा रही है। प्रदेश में अब एक भी घर अंधेरे में नहीं रहेगा। इसके साथ ही बिजली चोरी पर भी लगाम लगाई जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि. के अंतर्गत पांचों वितरण निगमों में कुल 3.27 करोड़ विद्युत उपभोक्ता हैं। इनमें से घरेलू प्रयोग हेतु कुल संयोजनों की संख्या 2.88 करोड़ है।उत्तर प्रदेश की जनसंख्या को देखते हुए यह स्पष्ट है कि कुल घरेलू विद्युत संयोजनों की संख्या कुल परिवारों की संख्या के सापेक्ष कम है। इसीलिए सरकार ने यह निर्णय लिया है। ऐसे समस्त परिवार जो कि वर्तमान में विद्युत का प्रयोग कर रहे हैं, परन्तु उनके द्वारा संयोजन नहीं लिया गया है,उनको नियमानुसार संयोजन निर्गत किया जाएगा। इससे बिजली

चोरी पर भी रोक लग सकेगी तथा ऐसे

परिसर जो कि अविद्युतीकृत हैं का

योगी सरकार प्रदेश के हर घर, हर विद्युतीकरण कराकर संयोजन निर्गत कर दिया जाए।बिना संयोजन बिजली उपयोग करने वालों का होगा चिह्नांकन इस अभियान को सफल बनाने के लिए यूपीपीसीएल के अध्यक्ष एम देवराज ने विभागीय स्तर पर आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि विद्युतीकरण से छूटे समस्त परिवारों का चिह्नांकन आवश्यक है।

गया। वर्तमान समय सब के लिए धर्म

के तत्व को गंभीरता से समझने का

समय है। धर्म की रक्षा के द्वारा अपनी

इसके लिए अभियान चलाकर ऐसे परिवारों व घरों को चिन्हित किया जाएगा, जिनके निवास स्थान पर वर्तमान में कोई भी वैध विद्युत संयोजन नहीं है।इसके लिए विद्युत विभाग के कर्मचारी ग्राम पंचायत में उपलब्ध परिवार रजिस्टर, नगरीय क्षेत्र में हाउस टैक्स / वॉटर टैक्स जमा करने वाले परिसरों का विवरण और राशनकार्ड का विवरण देखकर विद्युत संयोजन है या नहीं का निर्णय कर सकते हैं। छात्र, स्वयं सहायता समूह एवं विद्युत

सिखयों की ली जाएगी मदद इससे

चुनौती दी गई है। इस पर तीन मई को

सुनवाई होगी। दूसरी याचिका में दो



प्राप्त मूल सूचना को आधार बनाते हुए विस्तृत सर्वे कराने के लिए सरकार ने नए प्रयोग करने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अंतर्गत. जनपद में स्थित इंटर कॉलेज, आईटीआई, पॉलीटेक्निक एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों को सर्वे के लिए सम्मिलित करने को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रधानाचार्यों की एक बैठक जनपद स्तर पर कर इच्छक छात्रों का चिन्हीकरण करते हुए छात्रों की टोलियों को क्षेत्र आवंटित कर क्षेत्र का सर्वे कराया जाएगा।निर्धारित प्रारूप पर उनके माध्यम से सुचना प्राप्त की जाएगी। सर्वे के लिए छात्रों को एक प्रोजेक्ट के माध्यम से कार्य आवंटन किया जाएगा। इसके अलावा राज्य आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बडी संख्या में स्वयं सहायता सम्ह एवं विद्युत सखियां कार्य कर रहे हैं। जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर स्वयं सहायता समूह /

विद्युत सिखयों को अपने क्षेत्र में उक्त सर्वे करने हेत प्रेरित किया जाएगा।वहीं बिलिंग एजेंसीज के कर्मचारी भी इसमें हिस्सा लेंगे। एजेंसी के साथ हुए अनुबंध में भी स्कोप ऑफ वर्क के तहत यह प्रावधान है, जिसमें कहा गया है कि एजेंसी बिजली का इस्तेमाल करने वाले नॉन कंज्यूमर को सर्च और लोकेट करेगी। संयोजन लेने के लिए किया जाएगा प्रेरितसर्वे के दौरान यह देखना होगा कि घर पर वैध विद्युत संयोजन है

जिन घरों में वैध विद्युत संयोजन नहीं है वहां पर कई प्रकार की स्थिति बन सकती है। मसलन, संबंधित परिवार द्वारा विद्युत का उपयोग नहीं किया जा

या फिर कटिया लगाकर अवैध रूप से विद्युत का उपयोग किया जा रहा है। या एक ही संयोजन से एक से ज्यादा घरों को अवैध रूप से विद्युत आपूर्ति दी जा रहीहै।

सजा के खिलाफ अब तक दायर नहीं हुई हाईको

क्या जेल जाएंगे राहुल गांधी ?

'मोदी सरनेम' वाले बयान से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहल गांधी को एक के बाद एक झटका लग रहा है। निचली अदालत से दोषी ठहराए जाने के खिलाफ राहल ने सेशंस कोर्ट में याचिका दायर की थी, जो गुरुवार को खारिज हो गई। कहा जा रहा था कि इस फैसले के खिलाफ शुक्रवार को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की जाएगी, लेकिन अब तक

याचिका दायर नहीं की गई है। अब अगले दो दिन कोर्ट बंद रहेगा। इसी बीच, निचली अदालत की तरफ से दिया गया एक महीने का मोहलत भी खत्म

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अब राहुल गांधी जेल जाएंगे? आखिर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष करना क्या चाहते हैं? दिग्गज वकीलों वाली कांग्रेस ने राहुल के लिए ऐसा रुख क्यों अपना

का अब क्या होगा?

रखा है? आइए इसे समझने की कोशिश करते हैं.... पहले जानिए क्या अब राहल जेल जाएंगे? इसे समझने के लिए हमने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय से बात की। उन्होंने कहा, 'अभी राहुल गांधी की गिरफ्तारी और जेल जाने का कोई मसला नहीं है। 23 मार्च को मानहानि केस में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाने के साथ ही 30 दिन की जमानत दी गई थी। इन्हीं 30 दिनों के अंदर राहल को ऊपरी अदालत में अपील करना था। ये समय सीमा आज से दो दिन बाद यानी 23 अप्रैल को खत्म हो रही है। हालांकि, इसके पहले तीन अप्रैल को सूरत के सेशन कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ तीन अपील दायर की गई थी। मुख्य याचिका में CJM कोर्ट के फैसले को

साल की सजा पर रोक की मांग की गई। तीन अप्रैल को कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार करते हुए राहुल को अंतरिम जमानत दे दी थी। तीसरी याचिका में दोषी ठहराए जाने पर रोक यानी कन्विक्शन पर स्टे की मांग की गई थी। गुरुवार 20 अप्रैल को सूरत की सेशन कोर्ट ने ये याचिका खारिज कर दी। मतलब अभी तीन मई तक राहुल पर कोई खतरा नहीं है। इस बीच, उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है।' अदालत के फैसलों के खिलाफ धीमी गति से क्यों चल रहे राहुल? सूरत की सीजेएम कोर्ट ने 23 मार्च को राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके अगले ही दिन उनकी संसद नेताओं ने इसको लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी दलों को एकजुट किया, लेकिन उस दौरान राहुल ने कोर्ट के फैसले को सेशंस कोर्ट में चुनौती नहीं दी। 11वें दिन वह सेशंस कोर्ट पहुंचे। तब उन्होंने तीन याचिकाएं दायर की। उसी दौरान उन्हें अंतरिम जमानत तो मिल गई, लेकिन दोषी ठहराए जाने के खिलाफ दायर याचिका को 20 अप्रैल को कोर्ट ने खारिज कर दिया। आज इसके खिलाफ राहुल हाईकोर्ट जाने वाले थे, लेकिन अब तक याचिका नहीं दायर हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस पार्टी में देश के बड़े-बड़े अधिवक्ता हैं, वो अपने नेता के बचाव में तुरंत क्यों नहीं ऊपरी अदालतों का रुख कर रही

सदस्यता चली गई। देशभर में कांग्रेस

मारी बारिश के कारण टीपू सुल्तान के गढ़ मे होने वाली अमित शाह की रैली रद्द

बेंगलुरु के पास देवनहल्ली में भारी बारिश के कारण केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का रोड शो टाल दिया गया है। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गृहमंत्री के रोड शो के लिए भविष्य में नई तारीख का एलान किया जाएगा। इससे पहले, गृह मंत्री अमित शाह का शुक्रवार को कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचने का प्लान था। जहां वे 21 और 22 अप्रैल को क्रमशः



दावणगेरे और देवनहल्ली में रोड शो करने वाले थे। देवहल्ली 18वीं सदी में मैस्रूरू के शासक रहे टीपू सुलतान की जन्मस्थली है। वह इस दौरान 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बंगलूरु में भारतीय जनता पार्टी के संगठन स्तर की बैठकों में हिस्सा लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, शाह राज्य में कई नेताओं के साथ बैठक करेंगे, जिन्हें चुनाव अभियान की जिम्मेदारी दी गई है और चुनाव रणनीति पर भी मंथन करेंगे। अतीक के करीबी इमरान प्रतापगढ़ी को स्टार प्रचारक बना फंसी कांग्रेसभले ही गैंगस्टर अतीक अहमद इस दुनिया में नहीं रहा, लेकिन उसका नाम अब भी विवाद पैदा कर रहा है। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस के स्टार प्रचारक इमरान प्रतापगढ़ी को लेकर केंद्रीय कृषी राज्यमंत्री शोभा कारनदलाजे ने निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव में अतीक अहमद जैसे गैंगस्टर को अपना गुरु मानने वाला इमरान प्रतापगढ़ी कांग्रेस का चुनाव प्रचार कर रहा है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्चरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दिहसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।